महात्मा गांधी के अनमोल वचन

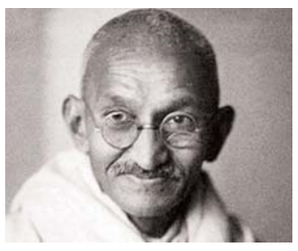

"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना ताकतवर की विशेषता है।"

दैनिक

सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-202 सीहोर, सोमवार 28 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला; अब तक 13.37 करोड़ नाम कटे

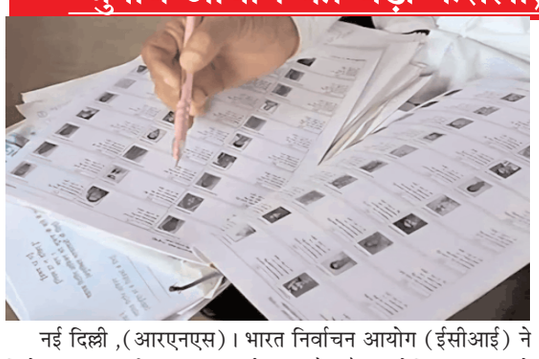

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं की सुविधा के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। आयोग की शनिवार को हुई बैठक में तय किया गया कि अनमैप्ड और लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के मामलों में नोटिस पाने वाले लोगों को सुनवाई के लिए ईआरओ/एईआरओ कार्यालय बुलाने की जरूरत नहीं होगी।आयोग की बैठक 26 सितंबर को दोपहर तीन बजे हुई। बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, ऐसे लोगों के घर जाकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) दस्तावेजों के आधार पर फैसला करेंगे। आयोग ने कहा कि केवल विशेष परिस्थितियों में, ईआरओ के निर्णय के अनुसार, सुनवाई आयोजित की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा। यदि सुनवाई की आवश्यकता पड़ती है तो मतदाता अपने परिवार के किसी भी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को और मजबूत करने का भी फैसला किया है। जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिया गया है कि वे जरूरत के अनुसार पर्याप्त संख्या में हेल्प डेस्क स्थापित करें या विशेष शिविर आयोजित करें। इन सुविधाओं का लाभ रैन बसेरों में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों, बेघर लोगों और अन्य जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा।

दिल्ली में सड़क निरीक्षण के दौरान बवाल, मंत्री प्रवेश वर्मा ने युवक को थप्पड़ मारा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के तिलक नगर इलाके में रविवार को निर्माणाधीन सड़क के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा और आम आदमी पार्टी के स्थानीय विधायक जरनैल सिंह के बीच सड़क की गुणवत्ता को लेकर तीखी बहस हो गई। इसी दौरान वीडियो बना रहे एक युवक को थप्पड़ मारने का आरोप प्रवेश वर्मा पर लगा है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली की राजनीति में विवाद तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।जानकारी के अनुसार, लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा तिलक नगर इलाके में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

पश्चिम मेदिनीपुर ज़िले के सालबोनी ब्लॉक के अंतर्गत पीराकाटा के हरटोरा गाँव के एक खेत में तीन हाथी (जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं) मृत पाए गए। वन अधिकारियों को शक है कि बिजली के एक चालू तार के संपर्क में आने से उनकी मौत हुई है।

कोहली सबसे तेज 15 हजार वनडे रन बनाने वाले बने बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में कोहली ने 15 हजार वनडे रन पूरे कर लिए और इस आंकड़े तक सबसे तेज पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि 303 पारियों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में 15 हजार रन पूरे किए थे।ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 295 रन बनाए और भारत के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा।

विदेश मंत्री बोले-पाकिस्तान आतंकवाद का लगातार अभ्यास करने वाला देश, यह दुनिया के लिए चुनौती

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान पर तीखा निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद को सामान्य बनाने और उसके परिणामों से बचने की कोशिश स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति जारी रहेगी और आतंकवाद को समर्थन देने वाली किसी भी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। हालांकि, अपने संबोधन में जयशंकर ने पाकिस्तान या उसके प्रधानमंत्री का सीधे नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के महासभा में दिए गए संबोधन के संदर्भ में थी।

उत्तर भारत में मौसम का भीषण प्रकोप : यूपी में 65 घंटे की बारिश से 29 की मौत, बिहार में कोसी-गंडक के उफान से 500 घर डूबे

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना (आरएनएस)। उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बेहद खतरनाक बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले 65 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश और तेज आंधी के कारण दो दिनों में 29 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बिहार में नदियों के उफान से बाढ़ के हालात गंभीर हो गए हैं। वहीं, पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी और मैदानी हिस्सों में भारी बारिश के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।उत्तर प्रदेश- 45 शहरों में तबाही की बारिश, 22 जिलों में फ्लैश फ्लड का अलर्टउत्तर प्रदेश के लखनऊ,

कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या, चित्रकूट और जौनपुर सहित करीब 45 शहरों में पिछले 65 घंटों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है: 29 मौतें और भारी नुकसान: आंधी-बारिश और बिजली गिरने से जुड़े हादसों में अब तक 29 लोगों की जान जा चुकी है। सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न होकर बर्बाद हो गई हैं तथा जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति ठप है। नदियां उफान पर: 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के बीच 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे प्रमुख घाटों की सीढ़ियां पूरी तरह डूब गई हैं।नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बिहार की कोसी और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

सार्वजनिक शौचालय में जहरीले रसायन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

-रासायनिक गैस के रिसाव का कारण स्पष्ट नहीं, पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबइ (आरएनएस)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर में रविवार को एक सार्वजनिक शौचालय के भीतर कथित तौर पर जहरीले रसायन की चपेट में आने से दो युवकों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना राम मंदिर पूर्व क्षेत्र में मृणालताई पुल के पास पारसी पंचायत गेट के निकट स्थित सार्वजनिक शौचालय में हुई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों ने घटना की जानकारी दी।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर निकाय के संबंधित वार्ड कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, सार्वजनिक शौचालय के भीतर अचानक तेज रासायनिक गंध फैल गई। इसके बाद वहां मौजूद दोनों युवकों को सांस लेने में परेशानी होने लगी और वे दम घुटने की स्थिति में पहुंच गए।

प्रीपेड मोबाइल उपयोगकर्ताओं को राहत, अब 28 की जगह 30 दिनों का मिलेगा रिचार्ज प्लान

-सांसद राघव चड्ढा ने दी जानकारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के प्रीपेड मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं के लिए दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियम, 2026 जारी कर दिया है। प्राधिकरण की वेबसाइट के अनुसार यह संशोधन 22 सितंबर 2026 को जारी किया गया।राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने रविवार को सामाजिक माध्यम के जरिए इस बदलाव की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने 11 मार्च 2026 को संसद में प्रीपेड मोबाइल उपभोक्ताओं से जुड़ी समस्याओं को उठाया था। उनके अनुसार, 28 दिन की वैधता वाले मासिक रिचार्ज के कारण उपभोक्ताओं को एक वर्ष में 12 के बजाय 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता था। चड्ढा ने कहा कि नए नियमों के बाद 30 दिन की वैधता वाले रिचार्ज विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे मासिक आधार पर रिचार्ज करने वाले उपभोक्ताओं को पूरे 30 दिनों की वैधता मिल सकेगी।

अमित शाह ने भारत की पहली एलएनजी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, गुजरात को मिली 1,542 करोड़ की रेल परियोजनाओं की सौगात

अहमदाबाद (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी आधारित दोहरे ईंधन वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात में 1,542 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इनमें साबरमती लोकोमोटिव रखरखाव शेड, स्वचालित संकेत प्रणाली, साबरमती-सरखेज रेल लाइन के दोहरीकरण और 'कवच' सुरक्षा प्रणाली से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत रेलवे और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि भारतीय रेलवे के इतिहास में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 404 किलोमीटर लंबे रेल खंड पर करीब 411 करोड़ रुपये की लागत से 'कवच' सुरक्षा प्रणाली लागू की जाएगी।

LPU में प्रदर्शन हुआ हिंसक, छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज, प्रदर्शनकारियों ने किया पथराव, गाड़ियां फूंकी, हाईवे जाम

फगवाड़ा (आरएनएस)। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) में छात्राओं से जुड़े एक कथित यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन रविवार को हिंसक हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए अपुष्ट दावों

के बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जुटे और बाद में जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देकर यातायात रोक दिया। दिनभर चले गतिरोध के बाद शाम को पुलिस और प्रदर्शनकारी छात्रों के बीच झड़प हुई। पुलिस छात्रों से बातचीत कर रही थी, तभी पुलिस पर बोतलें फेंकी गईं। पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया। जवाब में छात्रों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस की 2 गाड़ियों में आग लगा दी गई।मामला शनिवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक संदेश के बाद शुरू हुआ। संदेश में एक महिला छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म और उसके बाद आत्महत्या किए जाने का दावा किया गया था। हालांकि, शुरुआती जांच के दौरान पुलिस ने कहा था कि उसे इस तरह की किसी घटना की जानकारी या शिकायत नहीं मिली थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खुद अपने पैतृक मकान पर गेती चलाकर सिंहस्थ के लिए सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए प्रस्तुत किया अद्वितीय उदाहरण

उज्जैन में खजूर वाली मस्जिद से लेकर जीवाजीगंज थाने तक 32 फ़ीट चौड़ी होगी रोड उज्जैनवासियों ने अपना मकान खुद पीछे हटाकर दी अनुकरणीय मिसाल

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन शहर के अब्दालपुरा क्षेत्र के के मूल निवासी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को अब्दालपुरा स्थित अपने पैतृक मकान में खुद गेती चलाकर सिंहस्थ 2028 के लिए शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य में एक अनूठी मिसाल कायम की है। अब्दालपुरा का मकान नं. 180 एक तरह से उज्जैन के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए हो रहे कार्यों की एक बड़ी मिसाल बनकर उभरा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार सुबह 10 बजे अब्दालपुरा पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना कर सड़क चौड़ीकरण कार्य की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने खुद के पैतृक मकान पर गेती चलाई और सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए यह निजी मकान तोड़ने की शुरुआत की।

हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक बना अब्दालपुरा

अब्दालपुरा उज्जैन शहर की बहुत पुरानी बस्ती है। यहां पर एक तरफ खजूर वाली मस्जिद है और दूसरे छोर पर जीवाजीगंज थाना है। इसके बीच के 272 मकानों में अधिकांश मकान हिंदू, मुसलमान और बोहरा समुदाय के हैं। यहां सड़क चौड़ीकरण में प्रत्येक समुदाय के लोग खुशी-खुशी इस अभियान से जुड़कर खुद ही अपना मकान तोड़ने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। उज्जैन शहर में हो रहे अनेक आवागमन मार्गों के चौड़ीकरण में यह मार्ग

शहरवासियों को विकास में सहभागी बनने की प्रेरणा दे रहा है। यहां के कादर भाई कहते हैं कि सड़क चौड़ीकरण से उनकी सालों पुरानी इच्छा पूरी होने जा रही है। इस सड़क से वाहन निकलना मुश्किल था। अब आवागमन आसान होगा। वे कहते हैं कि इस इलाके में सभी मकानों की चौड़ाई चाहे कम-ज्यादा हो, लेकिन दिलों की गहराई काफी है। इस मार्ग के दोनों तरफ रहने वाले रहवासी सड़क चौड़ीकरण के लिए सहर्ष जगह देने को तैयार हैं। किसी को कोई आपत्ति नहीं है। हर व्यक्ति इस काम में अपनी सहभागिता कर रहा है। मुख्यमंत्री के निजी मकान के पड़ोसी पवन पांचाल कहते हैं कि यह चौड़ीकरण इस क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगा। सड़क चौड़ी होने के बाद यहां बनने वाले मकानों और दुकानों की वैल्यू बढ़ जाएगी और व्यापार-व्यवसाय भी बढ़ेगा, रोज़ का आवागमन तो सुगम होगा ही सड़क के दूसरी तरफ मुख्यमंत्री डॉ.यादव की बहन एवं नगर निगम उज्जैन की सभापति श्रीमती कलवाती यादव का मकान है। यह मकान भी सड़क चौड़ीकरण की ज़द में आ रहा है। इसी लाइन में दूध की दुकान चला रहे नरेन्द्र जैन कहते हैं कि सड़क चौड़ीकरण में मुख्यमंत्री और उनके परिवार का मकान भी टूटने से शहर में यह सन्देश जा रहा है कि यहां कोई खास नहीं है। आम हों या ख़ास, महाकाल की नगरी में सब बराबर हैं। सिंहस्थ के कामों में सभी सहभागी बन रहे हैं।

सभी के मकान एक लाइन से और समान लंबाई में टूट रहे हैं। इसी गली में रहने वाले पूर्व पार्षद जगदीश पांचाल कहते हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकसित उज्जैन का सपना साकार कर रहे हैं। इससे न केवल उज्जैन की तस्वीर बदलेगी, बल्कि सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों लोगों के आवागमन और उनके अच्छे प्रवास की सुविधाएं विकसित होंगी।

जनहित को समर्पित व्यक्तित्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ 2028 के लिए जारी विकास एवं निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उज्जैन स्थित अपना पैतृक निवास एवं जन्म स्थान को जनहित के लिए समर्पित कर दिया। धर्मनगरी उज्जैन के विकास और लोक कल्याण के प्रति उनका यह समर्पण सेवा, संवेदनशीलता और जनहित के लिए व्यक्तिगत प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के लोगों ने विकास कार्यों में सहभागी बनकर खुद अपना मकान तोड़ने में सहयोग दिया, ये एक आदर्श उदाहरण है।

अवंतिका का वैभव ही सदियों से रहा है इसका गौरव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन को दी 173 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल (निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उज्जैन (अवंतिका) एक प्राचीन नगर है। यहां का व्यापार व्यवसाय और इसका वैभव ही सदियों से इस नगर का गौरव और पहचान रही है। उज्जैनवासियों ने हर काल में शहर के विकास में सहयोग दिया है और आज भी यहां के लोग विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए स्वैच्छिक योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को महाकाल महालोक, उज्जैन में विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां 173 करोड़ रुपये लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सौगात भी मिलेगी। भोपाल के मास्टर प्लान का ड्रॉफ्ट प्रकाशित कर दिया गया है। ग्वालियर नई मेट्रोपॉलियन सिटी के रूप में विकसित होगा साथ ही इसे टेलीकॉम सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने जा रहा है। इससे पूरे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। हमारी सरकार सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में नई परिवहन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके अन्तर्गत यात्री बसें एक नगर से दूसरे नगर तक ही नहीं, बल्कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाएंगी। उज्जैन में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन हेतु 10 नई पीएम ई-बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है।

कार्यक्रम को उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं महापौर मुकेश टटवाल ने भी संबोधित किया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में उज्जैन का चौमुखी विकास हो रहा है तथा सिंहस्थ के दृष्टिगत नगर को सजाया-संवारा जा रहा है।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश गृह एवं अधोसंरचना निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, पूर्व विधायक राजेन्द्रध भारती, संजय अग्रवाल, जगदीश पांचाल एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। आरंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

उज्जैन में होंगे 173 करोड़ रुपए के विकास कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन में हुए कार्यक्रम में 15 विकास कार्यों का भूमि -पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 12 कार्यों का भूमि-पूजन और 3 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। भूमि-पूजन कार्यों में मुख्य रूप से नगर निगम उज्जैन के 8 बड़े कार्य हैं, जिनमें गौशाला मार्ग से शिप्रा विहार मार्ग निर्माण, महाकाल लोक क्षेत्र में पार्किंग सुविधा, श्री महाकाल मंदिर परिसर का विकास एवं क्षिप्रा नदी के घाटों का जीर्णोद्धार जैसे कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा महाकाल मंदिर के पीछे लैंडस्केपिंग, पुलिस विभाग द्वारा चिंतामण जवासिया में पुलिस आवास और उन्हेल में थाना भवन तथा पर्यटन विभाग द्वारा 45 नगरीय वनों का विकास कार्य शामिल है, जिनकी कुल लागत 153.31 करोड़ रुपये है। लोकार्पित किए गए कार्यों में पुलिस आवास अधोसंरचना विकास निगम द्वारा नीलगंगा और उन्हेल में निर्मित पुलिस आवास एवं थाना भवन तथा ऊर्जा विभाग द्वारा बड़नगर में निर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 19.56 करोड़ रुपये है। इन सभी कार्यों से उज्जैन के नागरिकों को अधोसंरचना, सुरक्षा और पर्यटन विकास की बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

रविवार को भी सरकारी बैंक खुले

भोपाल (आरएनएस)। बैंक से जुड़ा कोई काम पेंडिंग है तो उसे आज ही निपटा लें। रविवार की छुट्टी के बावजूद आज सरकारी बैंक खुले हैं। कल से 30 सितंबर तक बैंक बंद रहेंगे। 5 डे वीक वर्किंग की मांग को लेकर मध्य प्रदेश के 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर रहेंगे।भोपाल की 400, इंदौर की 800 और उज्जैन की 300 समेत पूरे प्रदेश में बैंकों की 7 हजार ब्रांच हैं। अधिकांश शाखाओं में स्केल 3 तक अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं। स्केल-4 या इससे ऊपर के अफसर बैंकों में पहुंचेंगे, लेकिन बिना स्टाफके ग्राहकों को सेवाएं नहीं दे सकेंगे। शनिवार और रविवार को सरकारी छुट्टी, इसके बाद तीन दिन की हड़ताल यानी, बैंक लगातार 5 दिन बंद रहते। इसके चलते रिजर्व बैंक ऑफइंडिया (RBI) ने रविवार को भी बैंक खोलने की अनुमति दी है। इस दिन बैंक शाखाओं में तो काम होगा ही, करेंसी चेस्ट भी चालू रहेगा। बैंककर्मियों की हड़ताल से नकद जमा-निकासी, चेक क्लियरिंग, ड्राफ्ट, पासबुक अपडेट और शाखा के दूसरे काम प्रभावित होंगे। डिजिटल सेवाएं ही जारी रहेंगी। शनिवार और रविवार को सरकारी छुट्टी, इसके बाद तीन दिन की हड़ताल यानी, बैंक लगातार 5 दिन बंद रहते। इसके चलते रिजर्व बैंक ऑफइंडिया ने रविवार को भी बैंक खोलने की अनुमति दी है। इस दिन बैंक शाखाओं में तो काम होगा ही, करेंसी चेस्ट भी चालू रहेगा।बैंककर्मियों की हड़ताल से नकद जमा-निकासी, चेक क्लियरिंग, ड्राफ्ट, पासबुक अपडेट और शाखा के दूसरे काम प्रभावित होंगे। डिजिटल सेवाएं ही जारी रहेंगी।

युवक ने खाई चूहा मार दवा,मौत

भोपाल (आरएनएस)। हबीबगंज थाना क्षेत्र में पत्नी के दो साल से अलग रहने और बच्ची से नहीं मिल पाने से तनाव में आए 25 वर्षीय युवक ने चूहामार दवा खा ली। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सावन पचोरी पिता शिवलाला पचौरी, निवासी 12 नंबर मल्टी, फ्लैट नंबर-6 के रूप में हुई है। सावन प्लास्टिक इंजीनियरिंग का काम करता था। परिजनों के मुताबिक उसकी पत्नी बच्ची के जन्म के बाद से करीब दो साल से अलग रह रही थी। तीन साल पहले दोनों ने लव मैरिज की थी। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। शुक्रवार शाम सावन ने घर में चूहामार दवा पी ली। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह उल्टियां करने लगा। परिजनों को जानकारी मिली तो वे उसे तत्काल हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर इलाज शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी।रविवार को इलाज के दौरान सावन की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जानकारी में पारिवारिक विवाद और बच्ची से नहीं मिल पाने के कारण तनाव की बात सामने आई है। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करने के साथ ही पत्नी से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।

परीक्षा देने आए युवक ने की आत्महत्या

भोपाल (आरएनएस)। लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा देने आए 27 वर्षीय पवन बामनिया की बैरागढ़ स्थित डेल्टा होटल में मौत हो गई। पवन उज्जैन के शिप्रा विहार कॉलोनी का रहने वाला था। वह 25 सितंबर को परीक्षा देने के लिए भोपाल आया था और होटल में ठहरा था।26 सितंबर को भोपाल में लेबर इंस्पेक्टर की परीक्षा आयोजित हुई थी। हालांकि, पवन परीक्षा में शामिल हो सका था या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। उसके कमरे से एडमिट कार्ड और परीक्षा का पर्चा नहीं मिला है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है।कर्मचारियों के मुताबिक, शनिवार देर रात तक पवन कमरे से बाहर नहीं आया। कर्मचारियों ने कमरे की जांच की तो दरवाजा अंदर से बंद था। संदेह होने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में कमरे को खोला गया तो पवन अंदर मृत मिला। इसके बाद पुलिस ने मौके की जांच की। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और अन्य सामान मिला है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पवन ने जहरीला पदार्थ खाया था। शनिवार देर रात ही पुलिस ने परिजन को उसकी मौत की सूचना दी। इसके बाद होटल के कमरे को सील कर दिया गया। रविवार को परिजन की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में पवन ने अपनी परेशानी और लगातार मिल रही असफलताओं का जिक्र किया है। उसने लिखा कि उसने बहुत कोशिश की, लेकिन उससे नहीं हो पा रहा था। बार-बार फेल होना और पीछे रह जाना उसे अंदर से तोड़ चुका था।नोट में उसने सरकारी नौकरी को अपना सपना और जीवन का आधार बताया। उसने लिखा कि उसे जिंदगी में असफलता, हताशा, अकेलापन और चिंता ही मिली।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित मध्यप्रदेश दौरे एवं प्रदर्शनी को लेकर डीजीपी ने की तैयारियों की समीक्षा

साइबर अपराध, आतंकवाद प्रतिरोध, कानून-व्यवस्था, पुलिस आधुनिकीकरण सहित पुलिसिंग के विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ अधिकारियों ने दी जानकारी

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित मध्यप्रदेश दौरे के दौरान पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों एवं नवीन आपराधिक कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जानी है। इसकी तैयारियों के संबंध में आज डीजीपी कैलाश मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय, भोपाल में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश की पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र के अनुसार साइबर अपराध, आपराधिक न्याय प्रणाली, कानून-व्यवस्था, आतंकवाद प्रतिरोध, नक्सल उन्मूलन, विदेशियों से संबंधित विषय, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण तथा पड़ोसी राज्यों के साथ सुरक्षा संबंधी समन्वय सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी एवं प्रस्तुतिकरण दिया।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने बैठक में सेफ क्लिक, 'नशे से दूरी है जरूरी', नक्सलवाद के उन्मूलन एवं हार्टफुलनेस सहित मध्यप्रदेश पुलिस की विभिन्न पहलों एवं अभियानों से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों, आधुनिक तकनीक के उपयोग तथा जनहित से जुड़े अभियानों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने एवं प्रदर्शनी में इन अभियानों की प्रभावी प्रस्तुति तथा इनके माध्यम से पुलिस और नागरिकों के बीच जागरूकता एवं सहभागिता को प्रदर्शित करने पर जोर दिया।बैठक में ई-जीरो एफआईआर, 1930 साइबर हेल्पलाइन, साइबर कमांडो प्रशिक्षण तथा 'सेफ क्लिक' जागरूकता अभियान की प्रगति की जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से 8.6 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई गई। आतंकवाद प्रतिरोध के अंतर्गत एटीएस की क्षमताओं एवं परिचालन दक्षता तथा अंतरराज्यीय प्रकृति के मामलों में समन्वय पर चर्चा हुई। विदेशियों एवं अवैध प्रवासियों के विरुद्ध कार्रवाई, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण तथा पड़ोसी राज्यों के साथ सुरक्षा समन्वय की भी समीक्षा की गई। डीजीपी कैलाश मकवाणा ने आधुनिक तकनीक एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैण्ड) भर्ती-2026 का अंतिम परीक्षा परिणाम जारी

39,468 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन, 560 पदों के लिए चयन सूची जारी

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैण्ड) भर्ती वर्ष-2026 का अंतिम परीक्षा परिणाम एमपी ऑनलाइन की वेबसाइट iforms.mponline.gov.in पर जारी कर दिया गया है। परीक्षा परिणाम का विस्तृत विवरण मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट mppolice.gov.in पर देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैण्ड) पद की सीधी भर्ती हेतु भर्ती परीक्षा वर्ष-2026 का आयोजन दिनांक 24 जून 2026 से 06 अगस्त 2026 तक भोपाल में किया गया था। उक्त परीक्षा के लिए कुल 39,468 अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन किया गया था। परीक्षा के बैण्ड टेस्ट में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची दिनांक 12 अगस्त 2026 को जारी की गई थी। इसमें कुल 1,271 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र हुए थे। पुलिस विभाग द्वारा दिनांक 20 अगस्त 2026 से 23 अगस्त 2026 तक भोपाल में साक्षात्कार आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक (बैण्ड) भर्ती परीक्षा-2026 के बैण्ड टेस्ट एवं साक्षात्कार के अंकों को एकीकृत/अद्यतन कर 87 प्रतिशत मुख्य भाग (14 प्रतिशत OBC पदों सहित) का अंतिम परीक्षा परिणाम तैयार किया गया है।

राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में एमपी ट्रांसको के स्टॉल को द्वितीय पुरस्कार

ट्रांसमिशन तकनीक के मॉडलों और आधुनिक प्रणालियों ने खींचा विद्यार्थियों व आगंतुकों का ध्यान

भोपाल (आरएनएस)। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में 22 से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित 13 वे राज्य स्तरीय भोपाल विज्ञान मेले में ऊर्जा विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टॉल को सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। ट्रांसमिशन प्रणाली से संबंधित विविध तकनीकी मॉडलों, आधुनिक संचार एवं निगरानी व्यवस्थाओं तथा जानकारीपरक प्रदर्शनों के कारण एमपी ट्रांसको का स्टॉल मेले के दौरान आगंतुकों और विद्यार्थियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा।स्टॉल पर ट्रांसमिशन लाइनों के मॉडल के साथ गैस इंसुलेटेड सब स्टेशन (जीआईएस), एयर इंसुलेटेड सबस्टेशन (एआईएस), ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, ओपीजीडब्ल्यू संचार प्रणाली, एसएलडीसी एवं स्काडा डिस्प्ले, रिमोट वीडियो सर्विलांस व्यवस्था, आयसोलेटर के रिमोट संचालन, फॉल्ट लोकेटर, भूमिगत केबल प्रणाली, पाइल फाउंडेशन, स्कैफोल्डिंग तथा आपातकालीन बहाली प्रणाली (ईआरएस) के मॉडल प्रदर्शित किए गए। चालू ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस में उपयोग किए जाने वाले हॉट सूट मॉडल ने भी आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

इन अधिकारियो ने प्राप्त किया एम पी ट्रांसको की तरफ से पुरस्कार

एमपी ट्रांसको की ओर से भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रदीप सिंह राघव एवं राजेश शांडिल्य, अधीक्षण अभियंता सुधीर नेमा सहित अन्य अधिकारियों ने पुरस्कार प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि विज्ञान मेले में एनटीपीसी, भारत पेट्रोलियम की मध्यप्रदेश इकाई सहित विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भी भाग लिया था।

मध्यप्रदेश के विद्यार्थी विज्ञान, शिक्षा और देश की उपलब्धियों को जानेंगे करीब से

520 विद्यार्थी, 104 शिक्षक और 6 अधिकारी तीन दिवसीय अहमदाबाद शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष की पढ़ाई के साथ प्रत्यक्ष अनुभवों से जोड़ने की दिशा में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अहमदाबाद का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। रविवार को भोपाल से तीन दिवसीय अहमदाबाद शैक्षणिक भ्रमण के लिए 630 सदस्यीय दल रवाना हुआ।रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, भोपाल से स्कूल शिक्षा विभाग की अपर परियोजना संचालक श्रीमती नंदा भिलावे कुशरे ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को अहमदाबाद के लिए रवाना किया। इस अवसर पर IRCTC क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेंद्र बोरबन भी उपस्थित रहे। दल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित 520 विद्यार्थी, 104 शिक्षक एवं स्कूल शिक्षा विभाग के 6 नियंत्रण अधिकारी शामिल हैं। यह शैक्षणिक भ्रमण शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। ओलंपियाड में प्रदेश के लगभग 65 हजार विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी।भ्रमण के दौरान विद्यार्थी अहमदाबाद के प्रमुख शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक संस्थानों, विज्ञान केंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान उन्हें वैज्ञानिक गतिविधियों, शैक्षणिक संस्थानों की कार्यप्रणाली और देश की विविध उपलब्धियों को प्रत्यक्ष रूप से जानने और समझने का अवसर मिलेगा।

एनएचएआई ने शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली की स्थगित

भोपाल (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जनसुविधा एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए एनएच-45 के जबलपुर-हिरन नदी सेक्शन स्थित शहपुरा टोल प्लाजा पर टोल वसूली को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के निर्देशानुसार, रविवार 27 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे से शहपुरा टोल प्लाजा की सभी लेन, जिसमें ईटीसी लेन भी शामिल हैं, टोल-मुक्त रहेंगी। इस अवधि में किसी भी श्रेणी के वाहन से यूजर फीस की वसूली नहीं की जाएगी। शहपुरा आरओबी के एप्रोच के क्षतिग्रस्त होने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से सामान्य यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा आरओबी के एप्रोच के स्थायी पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है। पुनर्निर्माण से संबंधित आवश्यक संरचनात्मक एवं सिविल कार्य प्रगति पर हैं। वर्तमान यातायात व्यवस्था के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए टोल वसूली अस्थायी रूप से स्थगित की गई है। टोल वसूली स्थगित रहने की अवधि में भी शहपुरा टोल प्लाजा पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, ईटीसी/एएनपीआर/डब्ल्यूआईएम सिस्टम, साइनेज एवं अन्य आवश्यक परिसंपत्तियों का समुचित रखरखाव जारी रहेगा। साथ ही, वाहन चालकों की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन के लिए टोल प्लाजा पर यातायात का सुचारु एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

आधी रात बच्चों की तलाश में निकला बाल आयोग, कहीं बीड़ी-सिगरेट बेचता मिला मासूम तो कहीं शराब के नशे में मिली किशोरी

भोपाल, (ए.)। राजधानी की रात में जब शहर अपने घरों में सिमटने लगता है, तब मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नजर उन बच्चों तक पहुंच रही है, जिनका बचपन किसी दुकान, सड़क या नशे के अड्डे के आसपास खोता दिखाई दे रहा है। छह नंबर क्षेत्र में रात 11 बजे के बाद बाल आयोग की औचक कार्रवाई में 10 वर्ष से भी कम उम्र का एक बालक पान की दुकान पर सिगरेट और बीड़ी बेचते मिला। बच्चे के हाथ में किताब की जगह तंबाकू उत्पाद देखकर आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने तत्काल हस्तक्षेप किया। परिवार को सख्त हिदायत दी गई कि बच्चे को दोबारा इस तरह काम करते पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई का सबसे संवेदनशील पहलू यह रहा कि आयोग ने परिवार को सिर्फ चेतावनी देकर मामला समाप्त नहीं किया। डॉ. शर्मा ने परिवार से कहा कि यह उम्र बच्चे के पढ़ने की है। यदि आर्थिक परेशानी के कारण परिवार उसे पढ़ाने में सक्षम नहीं है तो इसकी जानकारी दी जाए। बच्चे को पिछड़ा वर्ग से संबंधित छात्रावास में प्रवेश दिलाकर राज्य शासन की व्यवस्था से उसकी शिक्षा सुनिश्चित कराने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। यह घटना उस समय और महत्वपूर्ण हो जाती है, जब राजधानी में कुछ ही समय पहले आयोग की अध्यक्ष को शराब की दुकान के बाहर एक नाबालिग किशोरी सिगरेट और शराब का सेवन करते मिली थी। वहां भी डॉ. शर्मा ने मौके पर हस्तक्षेप करते हुए पुलिस को बुलाया और किशोरी को पुलिस के हवाले किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में पंख मैराथन का शुभारंभ किया

राजवाड़ा में बेकाबू बस ने ऑटो को रौंदा, फिर तीन लोगों को मारी टक्कर, घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने किया पथराव

इदौर (ए.)। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के प्रसिद्ध राजवाड़ा क्षेत्र में उस वक्त हालात बेकाबू हो गए जब एक सिटी बस ने तीन राहगीरों को रौंद दिया। मामला एमजी रोड थाना क्षेत्र के राजवाड़ा चौराहे का है, जहां एक बेकाबू सिटी बस ने राहगीरों को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हुए बस हादसे का लाइव सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस फुटेज में तेज रफ्तार बस को अचानक अनियंत्रित होकर ऑटो रिक्शा और सड़क पर मौजूद लोगों को टक्कर मारते देखा जा सकता है। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अनियंत्रित बस ने राहगीरों को मारी टक्कर

बताया जा रहा है कि ये हादसा दोपहर के करीब ढाई बजे हुआ, जहां राजवाड़ा के बस स्टैंड आ रही एक बस अनियंत्रित होकर दूसरे वाहनों और सड़क पर खड़े राहगीरों को रौंदते हुए आगे बढ़ गई। आगे बढ़ते हुए बस ने पहले एक वाहन को टक्कर मारी और फिर एक ऑटो से टकरा गई।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बस पर पथराव कर तोड़फोड़ की। गुस्साई भीड़ ने बस के शीशे तोड़ दिए, इसी बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और बस चालक को हिरासत में लिया है। इंदौर के राजवाड़ा चौराहे पर हुए सड़क हादसे का लाइव सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि बस स्टैंड के पास तेज रफ्तार से आ रही बस अचानक अनियंत्रित हो जाती है और सबसे पहले एक ऑटो रिक्शा को जोरदार टक्कर मारती है। इसके बाद बस की चपेट में दो अन्य लोग भी आ जाते हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच जाती है और तीनों घायल सड़क पर गिर जाते हैं। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और आक्रोशित होकर बस पर पथराव करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी।सूचना मिलते ही एमजी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बस चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी पुलिस हादसे की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि बस अनियंत्रित होने की वजह क्या थी।

सफलता की कहानी - प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े रुद्राक्ष शर्मा

जबलपुर (ए.)। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से जिले के ग्राम गंगई निवासी रुद्राक्ष शर्मा ने मत्स्य पालन को व्यावसायिक स्वरूप देते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2024-25 में शहरी तालाब निर्माण घटक के तहत उन्हें 4 लाख 40 हजार रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त हुई। शासन की इस सहायता से उन्होंने आधुनिक मत्स्य पालन की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने मत्स्य पालन व्यवसाय को स्थापित एवं विस्तारित किया। वर्तमान में श्री शर्मा अपने दो तालाबों में प्रतिवर्ष लगभग 45 हजार पंगास मछली बीज का संचयन करते हैं। वैज्ञानिक प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त आहार एवं रोग नियंत्रण के उपायों को अपनाकर वे दोनों तालाबों से लगभग 25-28 मीट्रिक टन वार्षिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं। इससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 4-5 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हो रहा है। श्री शर्मा पंगास मछली के साथ-साथ दोनों तालाबों में लगभग 4 से 5 हजार रोहू एवं कतला मछली बीज का भी संचयन करते हैं। मिश्रित मत्स्य पालन के माध्यम से वे तालाब में उपलब्ध प्राकृतिक आहार एवं विभिन्न जलीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का प्रयास करते हैं। इसके साथ ही वे नियमित रूप से तालाब की जल गुणवत्ता, मछलियों की वृद्धि एवं आहार प्रबंधन पर ध्यान देते हैं।

खेत से बाजार तक पहुंची किसानों की जैविक उपज

कृषि उपज मंडी में लगे साप्ताहिक जैविक हाट में दिखा खरीदारी का उत्साह

जबलपुर(ए.)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रत्येक रविवार को कृषि उपज मंडी में आयोजित किए जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट का आयोजन इस रविवार को भी किया गया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों ने अपनी उपज सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाई। हाट में जैविक एवं प्राकृतिक रूप से उत्पादित अनाज, दालें, सब्जियां, मसाले, मोटे अनाज सहित विभिन्न प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद उपलब्ध रहे। बड़ी संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं ने किसानों से उत्पादों की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया, उपयोगिता एवं खेती के तरीकों की जानकारी ली और अपनी आवश्यकता के अनुसार सीधे किसानों से उत्पाद खरीदे। जैविक उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संयुक्त संचालक कृषि के एस नेताम ने विभागीय अमले को हाट में उपलब्ध उत्पादों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए।

इसके माध्यम से उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण एवं सही उत्पाद पहुंचाने तथा जैविक उत्पादों के प्रति विश्वास मजबूत करने पर जोर दिया गया।इस अवसर पर उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे एवं परियोजना संचालक आत्मा डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने हाट में उपस्थित किसानों और उपभोक्ताओं से संवाद किया।

उन्होंने किसानों से उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी ली तथा जैविक उत्पादों के विपणन एवं बाजार से जुड़ी संभावनाओं के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उपभोक्ताओं ने भी हाट की व्यवस्था एवं उपलब्ध उत्पादों को लेकर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

मंत्री श्री कुशवाह ने ढोलीबुआ पुल के पास बस्ती में किया सड़क का निरीक्षण

नागरिकों से की चर्चा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

ग्वालियर(ए.)। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के ढोलीबुआ पुल के पास बस्ती में निरीक्षण कर बरसात के कारण खराब हुई सड़क का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेन्द्र बाबू यादव, कार्यपालन यंत्री नगर निगम वेदप्रकाश निरंजन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने निरीक्षण के दौरान नागरिकों से विस्तार से चर्चा की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सड़कों के संधारण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। इसके साथ ही साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। सड़क खराब होने के संबंध में भी उन्होंने विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता की जांच करने के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए हैं।

व्यापार समाचार

बैंक हड़ताल की अवधि के दौरान एसबीआई सभी एटीएम ट्रांजैक्शन पर नहीं लेगा कोई शुल्क

मुंबई (ए.)। 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित देशव्यापी बैंक हड़ताल के बीच भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि हड़ताल की अवधि के दौरान सभी एटीएम ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बैंक का कहना है कि यह फैसला ग्राहकों को निर्बाध बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने और हड़ताल के संभावित प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से लिया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक पोस्ट में एसबीआई ने कहा कि प्रस्तावित हड़ताल के दौरान भी ग्राहकों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए उसकी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसी के तहत 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 के बीच ग्राहकों से किसी भी बैंक के एटीएम पर किए गए लेनदेन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

बैंक ने यह भी बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उसकी सभी शाखाएं रविवार, 27 सितंबर को भी खुली रहेंगी। इसके अलावा यूपीआई, आईएमपीएस, आरटीजीएस और एनईएफटी जैसी ऑनलाइन भुगतान सेवाएं सामान्य रूप से जारी

रहेंगी, जिससे डिजिटल माध्यम से लेनदेन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। सरकार ने भी आम लोगों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को रविवार को खुला रखने का निर्देश दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 27 सितंबर को सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम से जुड़ी शाखाओं और करेंसी चेस्ट को पूर्ण रूप से संचालित रखने की अनुमति दे दी है।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक रविवार को सामान्य रूप से कार्य करेंगे। मंत्रालय के अनुसार, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल ऐसे समय रखी गई है, जब उससे पहले 26 और 27 सितंबर को सप्ताहांत की छुट्टियां भी हैं। ऐसे में यदि विशेष व्यवस्था नहीं की जाती, तो बैंकिंग गतिविधियां लगातार पांच दिनों तक प्रभावित हो सकती थीं।सरकार का कहना है कि आम नागरिकों की सुविधा और बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कारण सरकार और बैंक प्रबंधन ने यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित करने की अपील भी की है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं कि आवश्यक बैंकिंग सेवाएं बिना किसी रुकावट के जारी रह सकें।

बांग्लादेश में महंगाई संकट की वजह सिर्फ आपूर्ति की कमी नहीं, अर्थव्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरियां : रिपोर्ट

नई दिल्ली । बांग्लादेश में लगातार बढ़ी हुई महंगाई केवल वैश्विक बाजार की अस्थिरता या अस्थायी आपूर्ति संकट का नतीजा नहीं है, बल्कि इसके पीछे अर्थव्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरियां और नीतिगत खामियां जिम्मेदार हैं। यह बात बांग्लादेश के अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक नई रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में महंगाई को कमजोर प्रतिस्पर्धा, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, परिवहन और भंडारण व्यवस्था की कमियां, बाजार में अत्यधिक एकाधिकार और व्यापक आर्थिक नीतियों में देरी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ावा दे रही हैं।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के सितंबर पूर्वानुमान का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में औसत वार्षिक महंगाई 8.7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जबकि 2026-27 में यह 9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, मुद्रा विनिमय दर में गिरावट और आयातित ईंधन की बढ़ी लागत भी महंगाई के प्रमुख कारण बताए गए हैं।

रिपोर्ट में बाजार की एक असमान प्रवृत्ति का भी जिक्र किया गया है, जिसमें लागत बढ़ने पर वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ जाते हैं, लेकिन लागत घटने के बावजूद कीमतें उसी गति से कम नहीं होतीं। इसके लिए कमजोर बाजार निगरानी और अप्रभावी प्रतिस्पर्धा नीति को जिम्मेदार ठहराया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सख्त मौद्रिक नीति से महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है, लेकिन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के वेतन पर सरकार के बढ़ते खर्च से अतिरिक्त जोखिम पैदा हो रहे हैं।

राजस्व संग्रह भी संरचनात्मक रूप से कमजोर बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में 2.26 लाख करोड़ टका के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 1.25 लाख करोड़ टका घरेलू स्रोतों से जुटाने की योजना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सरकारी खर्च टिकाऊ राजस्व की तुलना में तेजी से बढ़ता रहा तो सरकार की उधारी पर निर्भरता और बढ़ेगी।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि सरकार की अधिक उधारी से घरेलू तरलता पर दबाव बढ़ सकता है और वित्तपोषण की लागत भी बढ़ सकती है। यदि घाटे की भरपाई के लिए अत्यधिक उदार वित्तपोषण किया गया तो महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है।

रिपोर्ट में सरकार से मध्यम अवधि की ऐसी विश्वसनीय योजना तैयार करने की अपील की गई है, जिसमें नए खर्चों को टिकाऊ राजस्व स्रोतों से जोड़ा जाए। साथ ही ऊर्जा क्षेत्र की अक्षमताओं, ईंधन मूल्य निर्धारण व्यवस्था, पेट्रोलियम उत्पादों पर कर बोझ और संबंधित संस्थानों की वित्तीय कमजोरियों पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता बताई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, नीतिगत अनिश्चितता, नियामकीय जटिलताओं, ऊर्जा संकट और संस्थागत कमजोरियों के कारण निजी निवेश भी कमजोर बना हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है।

ईजीआर को बढ़ावा देने के लिए एनएसई ने ऑगमोंट को बनाया प्रमुख साझेदार, सोने के डिजिटलीकरण को मिलेगी रफ्तार

मुंबई (ए.)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स को प्रमोट करने और देश के गोल्ड इकोसिस्टम को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी ऑगमोंट गोल्ड टेक प्राइवेट लिमिटेड को अपने प्रमुख साझेदार के रूप में पैनल में शामिल किया है। यह रणनीतिक साझेदारी ईजीआर के निर्माण (क्रिएशन) और परिसमापन (एक्सटिंग्विशमेंट) की प्रक्रिया को बेहद सरल और सुगम बनाने के साथ-साथ एक्सचेंज पर इसके व्यापार को रफ्तार देने के उद्देश्य से की गई है।

इस साझेदारी के तहत ऑगमोंट गोल्ड वैल्यू चेन में अपने व्यापक अनुभव का लाभ उठाते हुए डिजिटल ढांचे को बेहतर बनाएगा और ईजीआर उत्पाद के विकास के लिए आवश्यक तकनीकी व जमीनी स्तर पर सहयोग उपलब्ध कराएगा। इस व्यवस्था से एक विनियमित (रेगुलेटेड) तंत्र के भीतर भौतिक सोने (फिजिकल गोल्ड) को आसानी से इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स में और ईजीआर को दोबारा भौतिक सोने में निर्बाध रूप से बदला जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स डीमैटरियलाइज्ड प्रतिभूतियां हैं, जो वास्तविक भौतिक सोने के स्वामित्व को दर्शाती हैं। यह सोना सेबी द्वारा मान्यता प्राप्त सुरक्षित वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है और डिपॉजिटरी के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में धारित किया जाता है। प्रत्येक ईजीआर के पीछे शत-प्रतिशत भौतिक सोना होता है और इसका एक्सचेंज पर आसानी से कारोबार किया जा सकता है। इससे सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली के साथ सीधे जोड़ना संभव हो गया है। साझेदारी पर विचार व्यक्त करते हुए एनएसई के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि ऑगमोंट का पैनल में शामिल होना ईजीआर के लिए एक जीवंत और व्यापक बाजार तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

त्यौहारी सीजन में ग्राहकों की जेब पर बढ़ेगा बोझ, AC-TV, फ्रिज जैसे अप्लायंसेज 8% तक होंगे महंगे

नई दिल्ली (ए.)। त्योहारी सीजन में अगर आप AC, फ्रिज, LED TV या वॉशिंग मशीन खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज कंपनियां 1 अक्टूबर से कई उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। उद्योग से जुड़े जानकारों के मुताबिक, अलग-अलग उत्पादों की कीमतों में 3 से 8% तक की वृद्धि हो सकती है।कंपनियों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉपर, स्टील और एल्युमीनियम समेत प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में तेजी और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव का असर उत्पादन लागत पर पड़ा है। वर्ष 2026 में यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में कीमतों में तीसरी बढ़ोतरी होगी।

AC सबसे ज्यादा महंगा होने की संभावना

इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार, एयर कंडीशनर की कीमतों में सबसे ज्यादा 5 से 8% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और LED TV की कीमतों में करीब 3 से 4% तक इजाफा होने की संभावना है।

ब्लू स्टार, गोदरेज एप्लायंसेज, हायर, डाइकिन और सुपर प्लास्ट्रोनिक्स समेत कई कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी की जानकारी दी है। कुछ कंपनियों ने उत्पाद और मॉडल के आधार पर 4 से 10% तक मूल्य संशोधन की बात कही है। LG और बॉश होम कम्फर्ट से जुड़े AC उत्पादों की कीमतों में करीब 5त्न तक बढ़ोतरी की गई है। वहीं, पैनासोनिक कीमतों में बदलाव को लेकर अभी समीक्षा कर रही है।

हायर ने 1 अक्टूबर से AC महंगे करने की बात कही

हायर इंडिया के प्रेसिडेंट एनएस सतीश के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉपर की कीमत पिछले एक साल में करीब 8,000-9,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से बढ़कर लगभग 14,500 डॉलर प्रति मीट्रिक

टन तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि एक AC में औसतन 3 से 4 किलो तक कॉपर का इस्तेमाल होता है। लागत बढ़ने के कारण कंपनी 1 अक्टूबर से AC की कीमतों में करीब 5% की बढ़ोतरी करेगी।उनके अनुसार, अक्टूबर से जनवरी के बीच लागत के दबाव के आधार पर अलग-अलग चरणों में कुल करीब 15% तक की मूल्य वृद्धि की संभावना भी बन सकती है।

दिवाली तक पुराने स्टॉक से ग्राहकों को राहत

हालांकि, त्योहारी सीजन में कीमत बढ़ने का असर तत्काल बिक्री पर सीमित रहने की उम्मीद है। इसकी बड़ी वजह डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स की ओर से अगस्त और सितंबर में की गई प्री-बाइंग है। कंपनियों और कारोबारियों के पास पहले से खरीदा गया पुराना स्टॉक मौजूद है। उद्योग से जुड़े लोगों के मुताबिक, सप्लाई चेन में करीब 1 से 1.5 महीने तक का पुराना स्टॉक मौजूद है। ऐसे में ग्राहकों को दिवाली तक कुछ उत्पाद पुरानी कीमतों पर खरीदने का मौका मिल सकता है। नई कीमतों का पूरा असर स्टॉक खत्म होने के बाद बाजार में दिखाई देने की संभावना है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बुनियाद हवाई उम्मीदें

स्टार्ट-अप रिसर्च फर्म ट्रैकसन के मुताबिक एआई में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। नतीजतन, कम-से-कम 10 भारतीय स्टार्ट-अप्स अपना यूनिकॉर्न का दर्जा गंवा चुके हैं। भारत में कम से कम 10 स्टार्ट-अप्स 2024 के बाद से अपना यूनिकॉर्न दर्जा गंवा चुके हैं। यूनिकॉर्न उन नई टेक कंपनियों को कहा जाता है, जिनका बाजार मूल्य एक बिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है। कोरोना काल में भारतीय स्टार्ट-अप्स विदेशी निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बने। नतीजतन, 2020-21 के बाद से तकरीबन 100 भारतीय स्टार्ट-अप्स को यूनिकॉर्न का दर्जा मिला। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्टार्ट-अप इंडिया' योजना की कामयाबी बताया गया। लेकिन 2024 से कहानी पलटनी शुरू हो गई। स्टार्ट-अप रिसर्च एवं एनालिटिक्स फर्म ट्रैकसन के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) में निवेश की लगी होड़ के कारण विदेशी निवेशकों का रुख अमेरिका की ओर मुड़ा। उधर अमेरिकी बॉन्ड्स पर ब्याज दरें भी बढ़ीं, जिनसे वहां निवेश करने में ज्यादा फायदा नजर आने लगा।इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर भी तमाम तरह की नकारात्मक चर्चाएं चलीं। तो कहा जा रहा है कि निवेशक अब कहानी के बजाय कारोबार की ठोस संख्याओं (मुनाफा) को देख रहे हैं। यानी धारणा बनी है कि भारतीय स्टार्ट-अप्स ने उज्ज्वल भविष्य की कहानियां निवेशकों को बेची थीं, जिनमें अब निवेशकों का भरोसा घट गया है। यह दीगर है कि निवेशकों का अभी जो आकर्षण केंद्र है, वह भी फिलहाल रेत की जमीन पर ही टिका है। अंतरराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में एआई में हुए अनियंत्रित निवेश को बाजार का बबूला मानने वालों की तदाद तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका में मुद्रास्फीति में इजाफे के साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना मजबूत हुई है। उधर अमेरिका सरकार पर 40 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चढ़ चुका है, इसलिए उसके बॉन्ड भी अब ऊंची ब्याज दर पर बिक रहे हैं। इससे बाजार में उपलब्ध नकदी के सिकुड़ने की आशंका है। कहा गया है कि हर बड़ा मार्केट बबल तब फटा, जब मुख्य कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत (यानी ब्याज दर) तेजी से बढ़ी। यह सवाल चर्चा में है कि क्या एआई बूम का भी वही हाल होने जा रहा है? गौरतलब है कि चाहे स्टार्ट-अप बूम हो या एआई, दोनों की बुनियाद हवाई उम्मीदें रही हैं। ऐसी कथाओं का अक्सर निराशाजनक अंत होता है।

देह चली गई, स्वर रह गया — लता होने का अर्थ यही है

कृति आरके जैन

कुछ आवाज़ें सुनी नहीं जातीं—वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों की देहरी लाँघकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुँधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने 'लता' नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरू हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। रोटी की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संघर्ष उम्र से बड़ा। लता ने परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज़ को सहारा बनाया। मराठी फिल्म 'किटी हसाल' (1942) में उनका पहला गीत रिकॉर्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ और शमशाद बेगम जैसी दमदार आवाज़ों के बीच उनकी कोमल आवाज़ को 'पतली' कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज़ से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत 'दिल मेरा तोड़ा' से भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में 'महल' का 'आएगा आनेवाला' आया और उसी आवाज़ ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।एक ही आवाज़ प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी व्यापकता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव तक सीमित नहीं था। 'लग जा गले' में प्रेम, 'तेरे बिना ज़िंदगी से' में रिश्तों की कसक और 'आजा रे परदेसी' में विरह की तड़प थी। 'ज्योति कलश छलके' और 'ओ पालनहारे' में वही स्वर भक्ति बन गया।

बेमौसम बरसात, पर्यावरण असंतुलन का परिणाम

संजीव ठाकुर

जलवायु परिवर्तन का अर्थ केवल तापमान का बढ़ना नहीं है। तापमान बढ़ने के साथ वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता भी बढ़ती है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन पैनल के अनुसार, मानव गतिविधियों से बढ़ने वाली ग्रीनहाउस गैसों का वैश्विक स्तर पर भूमि क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की तीव्रता बढ़ने में महत्वपूर्ण योगदान है। वैज्ञानिक आकलन यह भी बताते हैं कि तापमान में प्रत्येक एक डिग्री सेल्सियस वृद्धि के साथ वायुमंडल की अधिकतम नमी धारण क्षमता लगभग सात प्रतिशत बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप जब वर्षा होती है तो कम समय में अधिक पानी गिरने की संभावना बढ़ती है।

भारत जैसे विशाल और विविध जलवायु वाले देश में इसका प्रभाव और अधिक जटिल दिखाई देता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार भारत की लगभग 80 प्रतिशत वार्षिक वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून से जुड़ी होती है। मानसून के दौरान वर्षा का वितरण स्वाभाविक रूप से असमान रहता है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भारी वर्षा की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ने की चिंता व्यक्त की गई है। अत्यधिक वर्षा कुछ ही घंटों में स्थानीय बाढ़, शहरी जलभराव, भूस्खलन और कृषि तथा आधारभूत संरचनाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

बेमौसम बरसात को केवल आसमान की अचानक बदलती हुई स्थिति समझना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे अनेक प्राकृतिक और मानवीय कारण एक साथ काम कर सकते हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि, समुद्र के तापमान में बदलाव, वायुमंडलीय परिसंचरण में परिवर्तन और स्थानीय स्तर पर भूमि उपयोग में बदलाव वर्षा के स्वरूप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते शहर, कंक्रीट का विस्तार, जल निकासी क्षेत्रों पर अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक जलस्रोतों का विनाश वर्षा के पानी को जमीन में समाने से रोकते हैं। फलतः सामान्य वर्षा भी कई बार असामान्य संकट का रूप ले लेती है।

पर्यावरण के प्रति चेतना ही भविष्य की सुरक्षा

प्रकृति का अपना एक अनुशासन है। ऋतुओं का बदलना, बादलों का आना, वर्षा का होना, नदियों का बहना, पेड़ों का बढ़ना और हवाओं का चलना—ये सब पृथ्वी के उस प्राकृतिक संतुलन का हिस्सा हैं, जिसने करोड़ों वर्षों से जीवन को सुरक्षित रखा है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में मौसम के स्वभाव में जिस तरह के परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं, वे केवल संयोग नहीं माने जा सकते। कहीं बेमौसम बारिश हो रही है, कहीं अल्प समय में अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है, तो कहीं लंबे समय तक वर्षा का अभाव दिखाई देता है। गर्मी के दिनों में अचानक बारिश और मानसून के दौरान असामान्य वर्षा की घटनाएं अब सामान्य अनुभव का हिस्सा बनती जा रही हैं। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि पर्यावरण के साथ मनुष्य के संबंधों पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का समय आ गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 2025 की वैश्विक जलवायु रिपोर्ट बताती है कि 2015 से 2025 तक के ग्यारह वर्ष रिकॉर्ड

पर सबसे गर्म ग्यारह वर्ष रहे। वर्ष 2025 वैश्विक स्तर पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा और उसका औसत तापमान 1850-1900 के औसत से लगभग 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट यह भी बताती है कि महासागरों की ऊष्मा, समुद्र-स्तर और पृथ्वी के ऊर्जा असंतुलन जैसे संकेतक चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा कर रहे हैं। शहरों में यह समस्या विशेष रूप से दिखाई देती है। जिन स्थानों पर कभी तालाब, झील, नाले और खुले मैदान वर्षा के पानी को अपने भीतर समाहित कर लेते थे, वहां आज बहुमंजिला इमारतें, सड़कें और कंक्रीट की सतहें हैं। बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय तेजी से सड़कों पर बहता है। नालियां अपनी क्षमता से अधिक पानी संभाल नहीं पातीं और कुछ घंटों की बारिश शहर को जलभराव में बदल देती है। इसलिए पर्यावरणीय असंतुलन केवल जंगलों या पहाड़ों की समस्या नहीं है; यह हमारे घर, सड़क, शहर और रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ा हुआ प्रश्न है।

पर्यावरण विशेषज्ञों की चिंता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि जलवायु परिवर्तन के साथ अत्यधिक वर्षा और सूखे की स्थितियां एक-दूसरे के विपरीत होते हुए भी एक ही जलवायु तंत्र का हिस्सा बन सकती हैं। एक क्षेत्र में कम समय में अत्यधिक वर्षा हो सकती है और दूसरे क्षेत्र में लंबे समय तक सूखा पड़ सकता है। विश्व पर्यावरण ऑर्गेनाइजेशन की 2025 की रिपोर्ट में भी दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में असामान्य रूप से अधिक और कम वर्षा की स्थितियों तथा बाढ़, सूखे और अत्यधिक वर्षा जैसी घटनाओं के व्यापक प्रभावों का उल्लेख किया गया है।इस संकट का एक बड़ा कारण हमारी विकास-दृष्टि भी है। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति की कीमत पर हो, लंबे समय में समाज के लिए भारी पड़ सकता है। जंगलों को काटकर सड़कें और इमारतें बनाई जा सकती हैं, लेकिन जंगल द्वारा प्रदान की जाने वाली वर्षा नियंत्रण, मिट्टी संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता की सेवाओं का निर्माण किसी मशीन से नहीं किया जा सकता।

एक पेड़ केवल लकड़ी का स्रोत नहीं है; वह हवा को शुद्ध करता है, तापमान को नियंत्रित करता है, मिट्टी को बचाता है और अनेक जीवों को आश्रय देता है। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति तत्काल और व्यापक कार्रवाई की मांग करती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की 2025 के अनुसार वर्तमान नीतियों के आधार पर इस सदी में वैश्विक तापमान वृद्धि लगभग 2.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि देशों की मौजूदा नई जलवायु प्रतिबद्धताओं के पूर्ण क्रियान्वयन पर यह अनुमान लगभग 2.3-2.5 डिग्री सेल्सियस है। रिपोर्ट का स्पष्ट संकेत है कि तापमान वृद्धि को सीमित करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तेज और बड़ी कटौती आवश्यक है। ऐसे समय में पर्यावरण चेतना केवल भाषणों और विश्व पर्यावरण दिवस तक सीमित नहीं रह सकती। हमें अपने जीवन के व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा। वर्षा जल संचयन को प्रत्येक शहर और भवन की योजना का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। तालाबों, झीलों और पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने होंगे। नदियों और नालों के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र को सुरक्षित रखना होगा। वृक्षारोपण के साथ वृक्ष-संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा और कचरा प्रबंधन को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण है कि पर्यावरण को केवल सरकार की जिम्मेदारी न समझा जाए। सरकार नीतियां बना सकती है, प्रशासन उनका क्रियान्वयन कर सकता है और वैज्ञानिक चेतावनी दे सकते हैं, लेकिन पर्यावरण की वास्तविक रक्षा समाज की सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। विद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को व्यवहार से जोड़ना होगा। बच्चों को केवल यह नहीं पढ़ाया जाना चाहिए कि पेड़ बचाइए, बल्कि उन्हें पेड़, पानी, मिट्टी और जैव विविधता के साथ संबंध अनुभव करने का अवसर भी दिया जाना चाहिए। बेमौसम बरसात प्रकृति का कोई बदला नहीं है; यह प्रकृति के बदलते संतुलन को समझने का संकेत है। हर असामान्य बारिश हमें यह सोचने का अवसर देती है कि हमने अपने आसपास की प्रकृति के साथ कैसा व्यवहार किया है। हमें यह समझना होगा कि पृथ्वी केवल संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि जीवन का साझा घर है। यदि वातावरण गर्म होगा, जंगल कम होंगे, जलस्रोत सूखेंगे और शहर प्राकृतिक जलमार्गों को निगलते जाएंगे तो मौसम की अनिश्चितता और उसके दुष्परिणामों का सामना समाज को ही करना पड़ेगा।

आज आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, चेतना जगाने की है। पर्यावरण संरक्षण कोई भविष्य की परियोजना नहीं, वर्तमान की अनिवार्यता है। प्रकृति को बचाना वास्तव में मनुष्य को बचाना है। बेमौसम बरसात की हर बूंद हमें यही संदेश देती है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना अब विकल्प नहीं, हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी है।

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

500 करोड़ के मुख्यमंत्री एआई मिशन से संवरेगा युवाओं और तकनीक का भविष्य

धनंजय राठौर

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

500 करोड़ रुपये का मुख्यमंत्री एआई मिशन

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे।

योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई का प्रयोग

इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा।

सुशासन एवं उद्योग

सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं। एआई सेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24ङ्क7 सहायता प्रदान करने के लिए एआई संचालित टूल का उपयोग किया जाता है।

नवा रायपुर बन रहा तकनीक और एआई का नया हब

नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आईटी नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

नवा रायपुर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर

नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआइ तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ डिनर करने का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा जिससे कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन अच्छा है, भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आप खुद को एनेर्जेटिक महसूस करेंगे। संयम बनाकर काम करने से.. आपके बिगड़ते काम भी बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन खास है, बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे, घर में खुशी का महौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनियर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके महत्वपूर्ण काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टैक्सटाइल व्यापारियों को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। कुछ छिपे विरोधी आपके बारे मे अफवाहें फ़ैलाने के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसा कोई मौका ही न दें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं, जो घर पर ही कोई बिजनेस करने की सोच रही हैं, उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का कोई गाना लोगों को काफी पसंद आएगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ होगी। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। परिवार में स्थिति ठीक रहेगी।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक कोई बड़ा फायदा हो सकता है। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए ताजे फल खायें, फायदा मिलेगा। आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में लोग आज आपकी तारीफ करेंगे।

संपत्ति विक्रय में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने रचा नया कीर्तिमान

सुनील त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ में आवासीय सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को नई गति देने की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने संपत्ति विक्रय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में गति, पारदर्शिता और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में मंडल द्वारा संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन, विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाने और हितग्राहियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

मंडल के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मात्र 2 वर्ष 8 माह की अवधि में 7,650 संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 2,869 संपत्ति रहा है। यह आंकड़ा पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन की तुलना में मंडल की विक्रय क्षमता में आई उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों की अवधि में मंडल द्वारा कुल 7,793 संपत्तियों का विक्रय किया गया था। इस दौरान वार्षिक औसत लगभग 1,559 संपत्ति रहा। इसके मुकाबले वर्ष 2024 से अगस्त 2026 की वर्तमान अवधि में वार्षिक औसत बढ़कर लगभग 2,869 संपत्ति हो गया है। अर्थात पिछले पांच वर्षों की तुलना में वर्तमान अवधि में मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय में लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

केवल संख्या नहीं, विक्रय मूल्य में भी बड़ी छलांग

मंडल की उपलब्धि केवल संपत्तियों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि संपत्ति विक्रय से प्राप्त राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 से अगस्त 2026 तक मंडल द्वारा कुल 1,609.18 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय किया गया है। इस अवधि में संपत्ति विक्रय का वार्षिक औसत लगभग 603 करोड़ रुपये रहा। वहीं वर्ष 2019 से 2023 तक पांच वर्षों में कुल 1,362.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों का विक्रय हुआ था। इस अवधि में वार्षिक औसत विक्रय मूल्य 272.44 करोड़ रुपये रहा। वर्तमान अवधि में यह औसत बढ़कर लगभग 603 करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह मंडल के वार्षिक औसत संपत्ति विक्रय मूल्य में पिछले पांच वर्षों की तुलना में दो गुने से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है।ये आंकड़े बताते हैं कि मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के प्रबंधन और विक्रय को लेकर अपनाई गई कार्ययोजना प्रभावी रही है। संपत्तियों के बेहतर उपयोग, मांग के अनुरूप विक्रय व्यवस्था, हितग्राहियों के लिए प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने तथा लंबित मामलों के निराकरण पर ध्यान देने से विक्रय गतिविधियों में तेजी आई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास और सुशासन पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ शासन की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। नागरिकों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध हों और सरकारी संस्थाओं की संपत्तियों का बेहतर उपयोग हो, इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गृह निर्माण मंडल की संपत्ति विक्रय में सामने आई यह वृद्धि इसी व्यापक दृष्टिकोण से जुड़ी हुई है। मंडल की संपत्तियों के प्रभावी उपयोग से एक ओर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों को आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं।

वित्त एवं आवास मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली

वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विभागीय संस्थाओं में कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाम आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गृह निर्माण मंडल की संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और विक्रय प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए भी इसी दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। मंडल द्वारा उपलब्ध संपत्तियों के विक्रय में तेजी के साथ-साथ बकाया मामलों के निराकरण और हितग्राहियों को राहत देने के लिए विशेष योजनाओं को भी प्रभावी रूप से लागू किया गया है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण वन टाइम सेटलमेंट-2 (ओटीएस-2) योजना है।

ओटीएस-2 योजना से 1,584 संपत्तियों का निराकरण

मंडल द्वारा बकाया राशि के मामलों के समाधान और संपत्तियों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से लागू की गई वन टाइम सेटलमेंट-2 छूट योजना को भी व्यापक सफलता मिली है। योजना के अंतर्गत 1 मार्च 2025 से वर्तमान दिनांक तक 1,584 संपत्तियों का विक्रय एवं निराकरण किया गया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 238.67 करोड़ रुपये है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

सोमवार,28 सितम्बर 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

विजिलेंस के जाल में फंसी महिला एसएचओ, 50 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मोगा,(आरएनएस)। फिरोजपुर विजिलेंस टीम ने कोट ईसे खां थाने की एसएचओ सुनीता रानी को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। मोगा। फिरोजपुर विजिलेंस ने कोट ईसे खां थाने की विजिलेंस के पास यह शिकायत नूरपुर हकीमा निवासी राजविंदर सिंह की ओर से पहुंची थी। शिकायतकर्ता ने अनुसार एसएचओ शिकायतकर्ता के अनुसार, एसएचओ सुनीता रानी किसी मामले में मदद करने के एवज में उससे रिश्वत की मांग कर रही थीं। शिकायत की जांच के बाद फिरोजपुर विजिलेंस की टीम ने ट्रैप लगाने की कार्रवाई की उन्हें पकडने के लिए जाल बिछाया। इसके लिए इंस्पेक्टर गगनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तय कार्रवाई के तहत शनिवार देर शाम एसएचओ को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विजिलेंस कार्यालय ले जाया गया, जहां देर रात तक पूछताछ की गई। विजिलेंस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लुधियाना में अमरजीत चावला के घर पुलिस की रेड, रेप मामले में नामजद; पूछताछ जारी

लुधियाना,(आरएनएस)। महिला से रेप के आरोप में नामजद एसजीपीसी के पूर्व सदस्य अमरजीत सिंह चावला के लुधियाना स्थित घर में पंजाब पुलिस की टीम ने छापेमारी की है।

जानकारी के मुताबिक रेड के दौरान चावला घर पर नहीं मिले, जिसके बाद पुलिस टीम ने घर में उनकी पत्नी से पूछताछ की। पुलिस की यह कार्रवाई सुबह करीब 8:30 बजे शुरू हुई। अमरजीत सिंह चावला का घर मॉडल टाउन एक्सटेंशन में वीआईपी लेन के पास स्थित है। इस छापेमारी के लिए आनंदपुर साहिब से 10 से 15 पुलिस अधिकारियों की एक बड़ी टीम लुधियाना पहुंची है। पुलिस टीम में महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूरी टीम सुबह 3 गाड़ियों के काफिले में यहां पहुंची और आते ही घर में जांच शुरू कर दी। फिलहाल घर के अंदर पुलिस की पूछताछ और तलाशी अभियान जारी है।बता दें थाना आनंदपुर साहिब में 21 अगस्त 2026 को रेप के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। उसमें मुख्य आरोपी अमरजीत सिंह चावला है। आज थाना आनंदपुर साहिब की टीम मुकदमे के बारे में इन्वेस्टिगेशन के लिए आई। इनके फैमिली मेंबर्स, इनकी पत्नी घर पर मौजूद मिली हैं। उनसे पूछताछ की गई। पुलिस डाक्यूमेंट्स या कोई और टेक्निकल एविडेंस हासिल करने की कोशिश कर रही है। इस पर अभी जांच जारी है। महिला मालवा क्षेत्र से संबंधित है जो 25 सालों से बहरीन में रह रही हैं। FIR के अनुसार वारदात 27 फरवरी से 19 अगस्त, 2026 के बीच की बताई गई है। महिला ने बताया कि वह धार्मिक यात्रा पर श्री आनंदपुर साहिब आई थी। महिला का आरोप है कि चावला उसे अलग-अलग सराय/कमरों में ले गया। यहां बंधक बनाया और कई बार रेप किया। विरोध करने पर धमकाया गया, जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या की कोशिश भी की, लेकिन सेवादार ने उसे अस्पताल पहुंचाकर बचा लिया।

संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और भड़काऊ बयानबाजी मामले में पुलिस ने चार लोगों को भेजा नोटिस

संभल, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में मंदिर-मस्जिद विवाद और कथित भड़काऊ बयानबाजी को लेकर प्रशासन ने चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें शाही जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली, भाजपा के पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सिंघल, सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क और एआईएमआईएम नेता शकील अहमद शामिल हैं। जिला प्रशासन ने सभी लोगों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश होने का नोटिस जारी किया है। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार के अनुसार, 23 सितंबर को संभल और नखासा थाने से पुलिस की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। रिपोर्ट को 25 सितंबर को उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस रिपोर्ट में सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों से की गई बयानबाजी के कारण दो समुदायों के बीच शांति व कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। जफर अली के संबंध में पुलिस ने पूर्व में की गई बयानबाजी और दर्ज मुकदमों का भी उल्लेख किया है।

प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में चारों को तीन अक्टूबर को सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। साथ ही, छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए 20 हजार रुपए की जमानत अथवा इतनी ही धनराशि का स्वयंबंध पत्र लिए जाने के संबंध में जवाब मांगा गया है।

करूर भगदड़ की पहली बरसी, विजय की रैली में 41 लोगों की मौत का दर्द आज भी जिंदा

करूर ,(आरएनएस)। तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख विजय की रैली में 41 लोगों की मौत के एक साल बाद, पीड़ित परिवारों और भगदड़ में बचे लोगों के लिए यह बरसी शहर के लिए अब भी दुखद याद बनी हुई है। 27 सितंबर 2025 को विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के समर्थक सुबह से ही वेलुसामीपुरम में जमा होने लगे थे। कई लोग एक्टर से नेता बने विजय को सामने से देखने की उम्मीद कर रहे थे। परिवारों के साथ बच्चे भी आए थे और जब भीड़ उनके आने का इंतजार कर रही थी, तो पार्टी के गाने बज रहे थे। विजय उस शाम उस इलाके में पहुंचे। जैसे ही लोग उनकी कैंपेन गाड़ी की तरफ बढ़े, वहां भीड़ की वजह से खतरनाक हालात बन गए। कुछ लोग गिर गए और दूसरों के नीचे दब गए। आम लोगों और पुलिस ने भीड़ से लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एक राजनीतिक सभा के तौर पर शुरू हुआ यह कार्यक्रम 41 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने के साथ खत्म हुआ। मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे।पीड़ित परिवारों के लिए यह बरसी उस रैली वाली जगह पर किए गए इंतजार, भगदड़ के बाद की अफरातफरी और अस्पतालों से मिली दुखद खबर की यादें ताजा कर देती है। तब से 41 मौतों का आंकड़ा करूर के लिए उस रात की याद का एक अहम हिस्सा बन गया है। इस त्रासदी ने कार्यक्रम की जगह चुनने, भीड़ के आकार और उसकी आवाजाही, और लोगों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों पर भी सवाल खड़े कर दिए।जिम्मेदारी को लेकर राजनीतिक पार्टियों के बीच तीखे मतभेद रहे। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को इस घटना की जांच करने का निर्देश दिया और जांच की निगरानी के लिए एक कमेटी बनाई।

आज का भारत आतंक बर्दाश्त नहीं करता, करारा जवाब देता है', मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के 138वें एपिसोड में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद, जनगणना और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल समेत कई मुद्दों का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि 28 सितंबर को 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब वह भारत नहीं है, जो आतंकवाद को बर्दाश्त करे। आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और आतंकवादियों की ओर से भारत पर आंख उठाने पर करारा जवाब दिया जाएगा।

'मन की बात' के 138वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद

करते हुए कहा कि उस समय भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर जो शौर्य दिखाया, उसे देखकर दुनिया हैरान थी। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक दशक में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक और 'ऑपरेशन सिंदूर' तक भारत ने बार-बार स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले देश में सीरियल ब्लास्ट होना आम बात थी, लेकिन आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर चल रहा है और इसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं।

जनगणना का भी किया जिक्र

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जनगणना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से अधिक परिवारों की जानकारी दर्ज की जा चुकी है। उत्तराखंड में जनगणना की शुरुआत चमोली के माणा गांव से हुई। पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सभी का राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने 15 अगस्त को भी देशवासियों से आग्रह किया था कि जनगणना के लिए अपना समय जरूर निकालें।

अशोक सिंघल को किया याद

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल को भी याद किया। उन्होंने कहा कि आज ऐसे महान व्यक्ति की 100वीं जन्मजयंती है, जिन्होंने संस्कृति, समाज और राष्ट्र के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि अशोक सिंघल ने समाज में रहकर तपस्वियों जैसा जीवन जिया। उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन को दिशा और ऊर्जा दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उसी का परिणाम है कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर को साक्षात देखा जा रहा है।

नई दिल्ली में सेवा संकल्प अभियान के तहत किरारी, बवाना, मुंडका, नरेला और नांगलोई जाट की अनधिकृत कॉलोनियों में विकास कार्यों के लिए आधारशिला रखने के समारोह के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा।

महाराष्ट्र के दौंड में युवक से मारपीट और लूटपाट, दो भाइयों पर मामला दर्ज

पुणे, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के पुणे के दौंड इलाके में एक 29 साल के व्यक्ति से मारपीट और लूटपाट की घटना सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित का नाम दिनेश भरत धनवे है। वहीं, आरोपियों की पहचान आदर्श अनिल जाधव और अमन अनिल जाधव के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता रेलवे ग्राउंड के पास खड़ा होकर फोन पर बात कर रहा था। उसी समय आरोपी उसके पास आए और पैसे की मांग करते हुए पूछा, तुम हमारे इलाके में क्यों आए हो? जब शिकायतकर्ता ने वहां से हटने से इनकार किया, तो आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसे थप्पड़ मारा, जिससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद, आरोपी आदर्श जाधव ने धनवे पर हमला किया और लोहे की रॉड से उसकी पीठ, जांघ और सिर पर चोट पहुंचाई। मारपीट के दौरान पीड़ित की पैंट की जेब से जबरन 3,500 रुपये निकाल लिए गए। इसके अलावा, जब शिकायतकर्ता ने अपने रिश्तेदारों को फोन किया, तो आरोपी ने अपने भाई अमन अनिल जाधव को मौके पर बुला लिया। दोनों ने मिलकर धनवे को अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर दौंड पुलिस स्टेशन में आदर्श और अनिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की आगे की जांच चल रही है।इससे पहले, मई में दौंड से मेडिकल फ्रॉड का एक मामला सामने आया था, जिसमें गैर-कानूनी तरीके से इलाज कर रहे एक फर्जी डॉक्टर को पकड़ा गया था।पुलिस ने बताया कि उसके पास से दवाइयां, इंजेक्शन और 6.54 लाख रुपये नकद जब्त किए गए थे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ओमप्रकाश बंसीलाल स्वर्णकार ने यवत के कसुरदी गांव के अखदेवस्ती इलाके में एक अवैध क्लिनिक शुरू किया था। उसके पास कोई वैध मेडिकल डिग्री, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन या दवाएं बेचने का लाइसेंस नहीं था।पुलिस द्वारा क्लिनिक पर छापा मारने के बाद इस अवैध काम का पता चला था। छापे के दौरान, वहां से अलग-अलग कंपनियों की एलोपैथिक दवाएं, इंजेक्शन, सिरिंज, बिना लेबल वाली संदिग्ध तरल पदार्थों से भरी बोतलें और नकदी बरामद की गई थी।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बवाल!, रेप के बाद छात्रा की खुदकुशी की अफवाह पर भड़के छात्र; तोड़फोड़ और आगजनी

जालंधर,(आरएनएस)। जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU) में शनिवार देर रात बड़ी संख्या में छात्रों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर छात्रों की ओर से शेयर किए गए वीडियो और तस्वीरों में कैंपस में भारी भीड़ और प्रदर्शन दिखाई दिया। यह विरोध गर्ल्स हॉस्टल से जुड़े एक गंभीर मामले को लेकर किया गया। सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों में एक छात्रा के कथित रेप और इसके बाद आत्महत्या करने की बात कही गई। हालांकि, इन दावों की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। वहीं, यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सोशल मीडिया पर फैल रही इन बातों को झूठा, निराधार और मनगढ़ंत बताया है।

सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में इस मामले को लेकर एक कर्मचारी पर भी आरोप लगाए गए हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब इससे एक दिन पहले पटियाला के पास चितकारा यूनिवर्सिटी में भी छात्रों के विरोध प्रदर्शन का मामला सामने आया था।

इस मामले में एसएसपी गौरव तूरा ने कहा कि एक वायरल मैसेज के जरिए एक अपुष्ट घटना की जानकारी सामने आई थी। कुछ छात्रों ने छात्रा के आत्महत्या करने का दावा किया, जबकि कुछ ने उसके साथ रेप की बात कही। पुलिस को इस घटना की पुष्टि करने वाला अब तक कोई सबूत नहीं मिला है और पुलिस के पास रेप को लेकर कोई शिकायत भी नहीं आई है।

प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी

पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन में करीब 2,000 छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन गर्ल्स हॉस्टल के पास शुरू हुआ था। इसके बाद कुछ छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और यूनिवर्सिटी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

बेकाबू थार ने ई-रिक्शा के उड़ाए परखच्चे, अस्पताल में दम तोड़ते ही चालक छोड़ भागे रईसजादे; 3 बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

मुरादाबाद ,,(आरएनएस)। मुरादाबाद-आगरा स्टेट हाईवे पर रुस्तम नगर के पास एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां सड़क किनारे शांति से खड़े एक ई-रिक्शा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार ने भीषण टक्कर मार दी। इस खौफनाक भिड़ंत में ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और चालक लहूलुहान होकर सड़क पर दूर जा गिरा। पूरी दुर्घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका खौफनाक वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। हादसे के बाद थार सवार लोग तुरंत मौके से भागने के बजाय गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को अपनी गाड़ी में डालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिलारी लेकर पहुंचे। हालांकि, जैसे ही डॉक्टरों ने घायल की नब्ज टटोली और जांच शुरू की, थार सवार मौका पाकर वहां से खिसक लिए। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद घायल चालक की जान नहीं बचाई जा सकी और उसे मृत घोषित कर दिया गया।

तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा साया, परिजनों में कोहराम

अस्पताल से मौत की सूचना मिलते ही मृतक चालक के घर में मातम पसर गया और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। मृतक अपने पीछे तीन छोटे मासूम बच्चों और रोते-बिलखते परिवार को बेसहारा छोड़ गया है, जिनके सामने अब आजीविका का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

सीसीटीवी फुटेज से थार की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही बिलारी थाना पुलिस एक्शन मोड में आ गई है और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगालकर थार गाड़ी के नंबर और उसमें सवार लोगों की पहचान करने में जुटी है, ताकि यह साफ हो सके कि हादसे के वक्त गाड़ी कौन चला रहा था और चालक की मौत के बाद वे अस्पताल से चुपचाप क्यों फरार हुए।

विश्व पर्यटन दिवस पर पर्यटन मंत्रालय ने दिल्ली में चलाया स्वच्छता अभियान, की सफदरजंग के मकबरे पर सफाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विश्व पर्यटन दिवस पर केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने रविवार को स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत दिल्ली के सफदरजंग इलाके में मकबरे पर सफाई अभियान चलाया। इस पहल का मकसद स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और भारत की धरोहरों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस अभियान में पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी और प्रमुख हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन संस्थानों के लगभग 200 छात्र और फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। भाग लेने वाले संस्थानों में आईएचएम पूसा, इंडियन कलिनरी इंस्टीट्यूट (आईसीआई) नोएडा, एनसीएचएमसीटी, आईआईटीटीएम नोएडा और एआईएचएम शामिल थे। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के सचिव भुवनेश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। आज भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय विश्व पर्यटन दिवस मना रहा है। इस मौके पर 16 सितंबर से 30 सितंबर तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत, सफदरजंग मकबरे पर कई संस्थाओं, टूरिस्ट गाइड फेडरेशन और मंत्रालय के अधिकारियों व कर्मचारियों की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जयंती पर अशोक सिंघल को किया याद और नमन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्राधार एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जयंती पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अर्जुन राम मेघवाल समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री ने याद करते हुए नमन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, विश्व हिंदू परिषद के शिखर पुरुष अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन!सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन होम कर देने वाले, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के ध्वजवाहक, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अध्यक्ष, श्रद्धेय अशोक जी सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटिश: नमन अर्पित करता हूं! भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं राष्ट्र के नवनिर्माण में समर्पित आपका जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता और भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के संकल्प को अपनी जीवन-साधना बनाने वाले अशोक सिंघल की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। राम, राष्ट्र एवं सनातन संस्कृति के प्रति समर्पित उनका तपस्वी जीवन सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्र-साधना की अमिट प्रेरणा बना रहेगा।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख ध्वजवाहक एवं विश्व हिन्दू परिषद के शिखर पुरुष श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर सादर नमन। धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण तथा श्रीराम मंदिर आंदोलन में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त पूज्य अशोक सिंघल जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, सनातन संस्कृति के प्रखर संवाहक, हिंदू समाज के संगठन और जागरण के लिए जीवन समर्पित करने वाले परम श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, हिंदू समाज के संगठन, भारतीय संस्कृति के जागरण और राष्ट्रसेवा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका और समाज के बीच जनजागरण के लिए किए गए आपके अथक प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे। आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति, संगठन कौशल और राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी।

2027 की जीत के लिए अभी से एकजुट होकर जुटें कांग्रेस कार्यकर्ता : सूरज ठाकुर

अक्तूबर महीने में करेंगे होशियारपुर जिले की सभी सीटों पर प्रवास, करेंगे व्यक्तिगत मीटिंगें

होशियारपुर,(आरएनएस)। पंजाब कांग्रेस कमेटी के को-प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सूरज ठाकुर ने शनिवार को होशियारपुर जिला कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को आपसी मनमुटाव भुलाकर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा। पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी बंडाला और कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलजियां खास तौर पर इस मीटिंग में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए सूरज ठाकुर ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक प्रधानों और कार्यकर्ताओं से हलका स्तर की विस्तृत रिपोर्ट ली, उनका फीडबैक सुना और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अलग-अलग बैठकर चर्चा भी की। उन्होंने वर्करों और नेताओं को विश्वास दिलाया कि वह अक्तूबर में तीन दिन का प्रवास करेंगे। होशियारपुर जिले के सभी हलकों में जाकर उनसे मुलाकात करेंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाए, ताकि 2027 के चुनाव में पार्टी और अधिक मजबूती के साथ मैदान में उतरे। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग आम आदमी पार्टी की सरकार से तंग आ चुके हैं। वह कांग्रेस की सरकार बनाना चाहते हैं। कांग्रेस भारी बहुमत के साथ दोबारा पंजाब में सरकार बनाने जा रही है।

पंजाब कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी बंडाला ने बैठक के दौरान यह भी घोषणा की गई कि 28 सितंबर को होशियारपुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भाग लेंगे।

नेपाल में कुदरत का कहर, हिमलुंग हिमाल बेस कैंप पर बर्फीले तूफान का तांडव; 10 लोग लापता

काठमांडू (ए.)। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे पड़ोसी देश नेपाल से एक दिल दहला देने वाला बड़ा हादसा सामने आया है। पश्चिमी नेपाल के तिब्बत सीमा से सटे 7,126 मीटर ऊंचे प्रसिद्ध हिमलुंग हिमाल बेस कैंप पर रविवार सुबह अचानक आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचा दी। इस प्राकृतिक आपदा की चपेट में आने से कम से कम 10 पर्वतारोही और कैंप स्टाफ लापता हो गए हैं। अचानक आई इस आफत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और लापता लोगों की तलाश के लिए राहत व बचाव की कोशिशें तेज कर दी गई हैं।

सुबह अचानक आई सफेद आफत, रसोइयों समेत 10 लोग दबे

पर्वतारोहण अभियान (एक्सपीडिशन) के आयोजक मिंगमा ग्याल्जे शेर्पा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि रविवार सुबह बेस कैंप पर अचानक बर्फीला तूफान टूट पड़ा, जिसने पूरे कैंप को अपनी आगोश में ले लिया। लापता लोगों में विभिन्न एक्सपीडिशन कंपनियों से जुड़े पर्वतारोहियों के अलावा कैंप के दो रसोइया (किचन स्टाफ) भी शामिल हैं। मौसम विभाग द्वारा पहले ही चेतावनी जारी किए जाने के बाद कई टीमें नीचे उतर आई थीं, लेकिन कुछ दल अब भी बेस कैंप पर ही रुके हुए थे, जो इस बर्फीले बवंडर की सीधी चपेट में आ गए।

दुर्गम इलाका और परमिट की शर्त बनी रेस्क्यू में रुकावट

मनांग जिले में स्थित 7,126 मीटर ऊंची हिमलुंग चोटी पर बचाव अभियान चलाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। अत्यधिक ऊंचाई और शून्य दृश्यता के साथ-साथ इस संवेदनशील इलाके में बचाव हेलीकॉप्टर उड़ाने के लिए अतिरिक्त सरकारी परमिट की औपचारिकताएं भी आड़े आ रही हैं। बेस कैंप तक सीधी पहुंच बेहद दुर्गम होने और लगातार जारी बर्फबारी के कारण जमीनी स्तर पर भी सर्च ऑपरेशन चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

बंगाल की खाड़ी के सिस्टम से पूरे नेपाल में हाहाकार

गौरतलब है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने मजबूत वेदर सिस्टम के कारण पूरे नेपाल में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कें धंसने और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए कई प्रमुख रास्ते बंद कर दिए गए हैं। बिगड़ते हालातों के मद्देनजर नेपाल पर्यटन विभाग ने सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स को सभी अभियान तुरंत रोकने और सुरक्षित स्थानों पर लौटने के कड़े निर्देश दिए हैं।

रूस के खिलाफ यूक्रेन का नया दांव, मैदान-ए-जंग में सैनिकों की जगह अब 'रोबोट आर्मी' मचाएगी तबाही

कीव (ए.)। रूस के साथ जारी भीषण युद्ध के बीच यूक्रेन ने रणभूमि में अपने सैनिकों की जान बचाने और रूसी ठिकानों पर सटीक प्रहार करने के लिए एक बेहद महत्वाकांक्षी योजना का ऐलान किया है। यूक्रेन अब युद्ध के मैदान में 'रोबोट आर्मी' (Robot Army) उतारने जा रहा है। पूर्व यूक्रेनी अधिकारी मिखाइलो फेडोरोव ने लविव में आयोजित 'आईटी एरिना 2026' सम्मेलन के दौरान इस हाई-टेक परियोजना का अनावरण किया। यह पहल यूक्रेन की बेहद सफल ड्रोन सेना का ही अगला चरण है, जिसका मकसद इंसानी सैनिकों की जगह ऑटोनॉमस मशीनों को सबसे खतरनाक मोर्चों पर तैनात करना है। ड्रोन के बाद अब रोबोट संभालेंगे सबसे जोखिम भरे मोर्चे यूक्रेन की ड्रोन सेना पहले ही रूसी सेना के लिए सिरदर्द साबित हो चुकी है और अग्रिम मोर्चे पर 95 फीसदी से ज्यादा हमले ड्रोन्स के जरिए किए जा रहे हैं।

NASA ने अंतरिक्ष में भेजे थे 1.25 करोड़ टमाटर के बीज, 6 साल शून्य गुरुत्वाकर्षण में रहकर लौटे तो धरती पर दिखा चमत्कार

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) द्वारा दशकों पहले शुरू किया गया एक अनूठा प्रयोग आज अंतरिक्ष विज्ञान और कृषि जगत के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। नासा ने अंतरिक्ष के

शून्य गुरुत्वाकर्षण (Zero Gravity) और घातक रेडिएशन का फसलों पर असर देखने के लिए लाखों टमाटर के बीज अंतरिक्ष में भेजे थे। कई वर्षों तक अंतरिक्ष की कक्षा में रहने के बाद जब इन बीजों को धरती पर लाकर 40 देशों में उगाया गया, तो इसके नतीजे वैज्ञानिकों को हैरान करने वाले रहे। इस पूरे ऐतिहासिक मिशन पर अब तक 8 हजार से अधिक विस्तृत रिसर्च रिपोर्ट सौंपी जा चुकी हैं।

1 साल के लिए गए थे बीज, हादसे के कारण 6 साल तक अंतरिक्ष में ही घूमे

नासा ने जॉर्ज डब्ल्यू पार्क सीड कंपनी के साथ मिलकर छात्रों के लिए 'सीड्स' (SEEDS) कार्यक्रम शुरू किया था। इसके तहत साल 1984 में स्पेस शटल चैलेंजर के जरिए करीब 1.25 करोड़ (12.5 मिलियन) टमाटर के बीजों को अंतरिक्ष में भेजा गया था। योजना इन बीजों को महज एक साल में वापस लाने की थी, लेकिन 1986 में हुए दर्दनाक चैलेंजर हादसे के चलते यह मिशन लंबा खिंच गया। नतीजतन, ये बीज लगभग छह साल तक अंतरिक्ष की कक्षा में ही चक्कर काटते रहे। आखिरकार, जनवरी 1990 में कोलंबिया अंतरिक्ष यान के जरिए इन बीजों को सुरक्षित धरती पर वापस उतारा गया।

धरती के सामान्य बीजों से भी तेज निकला अंतरिक्ष वाले टमाटरों का अंकुरण

धरती पर वापसी के बाद इन बीजों को दुनिया भर के विभिन्न स्कूलों और शोध संस्थानों में बांटा गया, ताकि छात्र और वैज्ञानिक खुद इसके विकास का अध्ययन कर सकें। रिसर्च के परिणामों ने सभी को चौंका दिया। अंतरिक्ष के अत्यधिक रेडिएशन और माइक्रोग्रैविटी में 6 साल बिताने के बावजूद इन बीजों की अंकुरण दर 73.8 प्रतिशत दर्ज की गई, जो कि धरती पर सामान्य माहौल में रखे गए बीजों (70.3 प्रतिशत) की तुलना में कहीं बेहतर और तेज थी। इससे यह साबित हुआ कि बीजों की जीवन शक्ति अंतरिक्ष के कठोर वातावरण में भी नष्ट नहीं होती।

अब चांद और मंगल पर टमाटर उगाने की बड़ी तैयारी

टमाटर के इस सफल प्रयोग को आगे बढ़ाते हुए नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (CSA) आज भी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर हर साल बीज भेजते हैं, जिन्हें बाद में छात्रों को तुलनात्मक प्रोजेक्ट्स के लिए दिया जाता है। इस सफलता के बाद अब वैज्ञानिकों की नजर चंद्रमा और मंगल ग्रह की धरती पर खेती करने की है। इसके लिए टमाटर को सबसे मुफीद फसल माना गया है, क्योंकि यह एक सुपरफूड है जिसे आसानी से उगाया जा सकता है और यह विटामिन A, C और लाइकोपीन जैसे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर है, जो अंतरिक्ष यात्रियों के लंबे मिशनों में वरदान साबित होगा।

बार में AK-47 और पिस्तौल से अंधाधुंध बरसाई गोलियां, 27 लोगों की मौके पर मौत; चारों तरफ फैली लाशें

जोहान्सबर्ग (ए.)। दक्षिण अफ्रीका से एक दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है, जहां एक बार के भीतर घुसे हथियारबंद हमलावरों ने

अंधाधुंध फायरिंग कर खूनी खेल खेला। गौतेंग प्रांत के वेडेला टाउनशिप में स्थित एक बार में शनिवार देर रात हुई इस भयानक गोलीबारी में 27 लोगों की मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई, जबकि 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खौफनाक नरसंहार के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

AK-47 से छलनी किए बेकसूर लोग, 13 पुरुष और 4 महिलाओं की मौत दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा (SAPS) से मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 9:30 बजे हमलावरों का एक गिरोह अचानक बार में घुसा। हमलावरों के हाथों में घातक AK-47 असॉल्ट राइफलें और पिस्तौलें थीं। बिना किसी चेतावनी के उन्होंने बार में मौजूद निहत्थे लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। चीख-पुकार और भगदड़ के बीच गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहल उठा। सूचना मिलते ही जब पुलिस और आपातकालीन मेडिकल टीमें मौके पर पहुंचीं, तो वहां का मंजर रोंगटे खड़े करने वाला था।

ट्रंप की 'न' के बाद होर्मुज को लेकर अपनी शर्तों पर अड़ा ईरान

तेहरान (ए.)। ईरान ने होर्मुज होर्मुज को फिर से खोलने की अपनी शर्तों में किसी तरह का बदलाव न करने का फैसला किया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को इसे लेकर बयान दिया।ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव को ठुकराने के बाद अपना रुख स्पष्ट किया। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक ऐसा जलमार्ग है जो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत अहम है। यही अब वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रहे टकराव का केंद्र बन गया है। यह टकराव लगभग सात महीने पहले ईरान पर अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुआ था। विदेश मंत्री अब्बास अराघची के अनुसार, ईरान की योजना में मध्य-पूर्व (लेबनान सहित) में सभी तरह की शत्रुता को खत्म करना और उस युद्धविराम समझौते की शर्तों को पूरा करना शामिल था जो महीनों पहले टूट गया था।होर्मुज को लेकर हुई लड़ाई के दौरान टूटे उस समझौते में ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को जारी करने, ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों को हटाने और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को खत्म करने की बात कही गई थी। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने रविवार को कहा, हमारी शर्तें स्पष्ट हैं, और होर्मुज को फिर से खोलने की दिशा में कोई भी कदम इन शर्तों के पूरा होने पर ही निर्भर करेगा। हम इनसे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा, हमने कूटनीति या संवाद के दरवाजे कभी बंद नहीं किए, लेकिन साथ ही, हम अपने अधिकारों से कभी पीछे नहीं हटे हैं। ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने युद्धविराम समझौते को ठुकरा दिया। पत्रकारों से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, वे एक ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिसमें वे तुरंत स्ट्रेट को खोल दें क्योंकि उन्हें बहुत बुरी तरह हार का सामना करना पड़ रहा है। वे समझौता करना चाहते हैं और मुझे लगता है कि यह ठीक है।

मनोरंजन

संदीप किशन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी फारिया अब्दुल्ला, सिग्मा में दिखेगी नई केमिस्ट्री

अभिनेत्री फारिया अब्दुल्ला एक्शन, एडवेंचर, क्राइम, कॉमेडी ड्रामा फिल्म सिग्मा में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि वे फिल्म एक रेडियो जॉकी का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, सिग्मा मेरी पहली तमिल एक्शन-एडवेंचर हाइस्ट कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म में मेरा किरदार एक रेडियो जॉकी का है। जेसन संजय द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला लीड रोल में हैं। संदीप किशन के साथ अपनी केमिस्ट्री पर अभिनेत्री ने कहा, मैं संदीप को पहले से जानती हूं। हम दोनों हमेशा से साथ में एक फिल्म करना चाहते थे। आखिरकार हम सिग्मा के लिए मान गए। इस फिल्म में हमारे किरदारों में काफी नयापन है। फारिया ने बताया कि जेसन संजय ने उन्हें सिग्मा की कहानी जूम कॉल पर सुनाई थी। उन्होंने कहा, पूरी कहानी सुनने के बाद मैंने उनसे पूछा कि उनकी उम्र कितनी है। उन्होंने कहा कि वो 24 साल के हैं, सुनकर मुझे ये बहुत इंस्पायरिंग लगा। वो बहुत विनम्र हैं और सबके साथ अच्छे से घुल-मिल जाते हैं। डायरेक्शन पर उनकी अच्छी पकड़ है। भले ही ये उनकी पहली फिल्म है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत क्लियर विजन के साथ बनाया है। सेट को हैंडल करने का उनका तरीका बहुत कूल है।

एक्शन-एडवेंचर और हाइस्ट कॉमेडी फिल्म सिग्मा को लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन ने प्रोड्यूस किया है। संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला के अलावा फिल्म में राजू सुंदरम, संपत राज, शिव पंडित, अंबु थासन और योग जापी भी अहम किरदारों में हैं।

लस्ट स्टोरीज़ 3 के पिता-बेटी वाले सीन ने छू लिया अदिति राव हैदरी का दिल, बोलीं- यह मेरे लिए बहुत भावुक था

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। वह बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया।

क्या है डांस मेडिटेशन? इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने से मिलते हैं कई लाभ

डांस मेडिटेशन एक अनोखी विधि है, जिसमें नाचते हुए ध्यान लगाया जाता है। यह एक प्रकार का ध्यान है, जिसमें आप अपने शरीर को स्वतंत्र रूप से हिलाते-डुलाते हैं और अपने मन को शांत करते हैं। इस विधि का उद्देश्य मानसिक तनाव को कम करना और आत्मविश्वास बढ़ाना है। डांस मेडिटेशन से आप न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहते हैं। आइए इसके फायदे और तकनीक के बारे में जानें।

डांस मेडिटेशन के फायदे

डांस मेडिटेशन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। यह तनाव को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।इसके अलावा यह आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्म-अनुशासन सिखाता है। डांस मेडिटेशन से आप अपने शरीर को सक्रिय रखते हुए फिट और स्वस्थ रह सकते हैं।यह विधि न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बना सकती है और जीवन में सकारात्मकता लाती है।

ऐसे करें डांस मेडिटेशन

डांस मेडिटेशन करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह चुनें, जहां आप बिना किसी रुकावट के नाच सकें। हल्का संगीत लगाएं और अपनी पसंदीदा धुन पर नाचें।ध्यान रखें कि यहां कोई सही या गलत तरीका नहीं होता, बस अपने मन की सुने और खुलकर नाचें। शुरूआत में कुछ सरल मूव्स आजमाएं, फिर धीरे-धीरे अपने स्टाइल में बदलाव करें।इस दौरान गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें।

संगीत का चयन कैसे करें?

संगीत का चयन डांस मेडिटेशन का अहम हिस्सा है। ऐसा संगीत चुनें, जो आपको खुशी दे और आपकी ऊर्जा बढ़ाए।तेज धुन या धीमी धुन, जो भी आपको पसंद हो, उसे सुनें और उसी पर नाचें। अगर आप शास्त्रीय संगीत पसंद करते हैं तो वह भी अच्छा रहेगा।इसके अलावा लोक संगीत या कोई भी ऐसा गाना, जो आपके मन को प्रसन्न करे, उसे सुनें और नाचें। इससे आपका मन खुश रहेगा और आप बेहतर महसूस करेंगे।

ध्यान केंद्रित करने के तरीके

डांस करते समय ध्यान केंद्रित करना जरूरी है, ताकि आपका मन शांत रहे। इसके लिए आप गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें।

सोचने के बजाय बस महसूस करें कि आपका शरीर कैसे हिल रहा है, इससे आपका मन शांत रहेगा और आप पूरी तरह से डांस में डूब जाएंगे। इसके अलावा आप अपने शरीर की हर हरकत को महसूस करें और उसे पूरी तरह से जीएं।

नियमित अभ्यास का महत्व

डांस मेडिटेशन का नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है, ताकि इसके सभी फायदे मिल सकें। रोजाना कम से कम 20-30 मिनट तक डांस करने की कोशिश करें।इससे आपकी मानसिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप खुद को अधिक सकारात्मक महसूस करेंगे। नियमित अभ्यास से आप अपने जीवन में संतुलन बनाए रख सकेंगे और तनाव मुक्त रहेंगे। इस प्रकार डांस मेडिटेशन एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है कोई धुन गुनगुनाना, जानिए इससे मिलने वाले लाभ

कोई धुन गुनगुनाना एक सरल और आरामदायक गतिविधि है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डाल सकती है। यह न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि हमारे मूड को भी बेहतर बनाता है। गुनगुनाने से शरीर में खुश करने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो हमें खुश और संतुलित महसूस कराता है। इसके अलावा यह हमारी सांसों को भी नियंत्रित करता है। आइए जानते हैं कि कैसे गुनगुनाने से कई फायदे मिल सकते हैं।

तनाव को कम करने में मददगार

गुनगुनाना एक बहुत अच्छा तरीका है, जिससे हम अपने तनाव को कम कर सकते हैं। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारे दिमाग में खुशी देने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो हमें खुश और संतुलित महसूस कराता हैइस प्रक्रिया में हमारी सांसें भी नियंत्रित होती हैं, जिससे हमें शांति मिलती है। गुनगुनाने से न केवल हमारा मूड बेहतर होता है, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है और हमें ताजगी का अनुभव कराता है।

मनोदशा को बनाता है बेहतर

गुनगुनाने से हमारी मनोदशा भी बेहतर होती है। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारे दिमाग में खुशियों का एहसास होता है, जिससे हमारी ऊर्जा सकारात्मक रहती है।यह आदत हमें

नकारात्मक विचारों से दूर रखती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है। इसके अलावा गुनगुनाना एक सरल और आरामदायक गतिविधि है, जिसे हम कहीं भी कर सकते हैं।इससे हमारा मूड और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और हम अधिक खुश और संतुलित महसूस करते हैं।

सांसों को करता है नियंत्रित

गुनगुनाना हमारी सांसों को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारी सांसें गहरी और स्थिर होती हैं, जिससे फेफड़ों को अधिक ऑक्सीजन मिलता है। यह प्रक्रिया हमारे शरीर को ऊर्जा देती है और ताजगी का अनुभव कराती है। इसके अलावा गुनगुनाने से तनाव कम होता है और मन शांत होता है।इस तरह गुनगुनाना एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे हम अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

नींद में लाता है सुधार

गुनगुनाना नींद में सुधार लाने में भी सहायक है। सोने से पहले कुछ मिनट गुनगुनाने से हमारा मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है।यह आदत हमें अच्छी नींद दिलाती है। इसके अलावा गुनगुनाना एक आरामदायक गतिविधि है, जिसे हम आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।इससे हमारी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और हम सुबह ताजगी महसूस करते हैं। गुनगुनाना एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे हम स्वस्थ रह सकते हैं।

बढ़ाता है आत्मविश्वास

गुनगुनाना आत्मविश्वास बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। जब हम नियमित रूप से गुनगुनाते हैं तो हमारे अंदर सकारात्मक सोच बढ़ती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास मजबूत होता है।इस प्रक्रिया में हमारी सोच सकारात्मक रहती है और हम खुद पर भरोसा करना सीखते हैं। इस तरह गुनगुनाना न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि यह हमारी आत्मछवि को भी सुधारता है और हमें अधिक आत्मविश्वास से भरा महसूस कराता है।

बाढ़ आपदा में राहत का केंद्र बना धमतरी का स्किल डेवलपमेंट सेंटर

रायपुर(आरएनएस)। प्रदेश भर में जारी मूसलाधार बारिश के बीच धमतरी जिले में आपदा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण सामने आया है। जलभराव और बाढ़ की स्थिति से बेघर हुए 15 प्रभावित परिवारों के 54 सदस्यों को सुरक्षित निकालकर कोलियरी स्थित 'मधुरिमा' स्किल डेवलपमेंट सेंटर में बनाए गए राहत शिविर में ठहराया गया है। संकट की इस घड़ी में यह सेंटर प्रभावितों के लिए एक बड़ा संबल साबित हो रहा है।

जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए राहत शिविर में भोजन, चाय-नाश्ता, विश्राम, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं का पुख्ता इंतजाम किया है। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण के साथ-साथ अपनेपन और भरोसे का अहसास हो सके।

मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और एसडीएम धमतरी लगातार राहत शिविर का निरीक्षण कर रहे हैं। दोनों अधिकारी प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं।

धमतरी जिला प्रशासन ने राज्य के नागरिकों और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे उफान पर बह रहे नदी-नालों, जलभराव वाले क्षेत्रों और तेज बहाव वाले स्थानों से उचित दूरी बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासनिक व बचाव दल से संपर्क कर सहयोग करें।

बाढ़ का खतराः नारायणपुर में माड़ीन नदी के बीच पेड़ पर फंसे ग्रामीण का सफल रेस्क्यू

रायपुर (आरएनएस)। नारायणपुर जिले में लगातार जारी मूसलाधार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। इस बीच, माड़ीन नदी के अचानक बढ़ते जलस्तर के कारण ग्राम तारागांव में बाढ़ के पानी के बीच फंसे 55 वर्षीय ग्रामीण को जिला प्रशासन, पुलिस और नगर सेना की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बाहर निकाल लिया।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश तथा कलेक्टर के मार्गदर्शन में चलाए गए इस रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दल ने अदम्य साहस का परिचय दिया।

बैल खोलने गए थे खेत, पेड़ ने बचाई जान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम तारागांव निवासी गोपी राम पटेल (55 वर्ष) नदी किनारे स्थित अपने खेत में बंधे बैल को खोलने गए थे। उसी दौरान नदी का जलस्तर अप्रत्याशित रूप से तेजी से बढ़ गया, जिससे वे चारों तरफ से पानी से घिर गए। जान बचाने के लिए वे पास ही स्थित एक आम के पेड़ पर चढ़ गए और घंटों उसी के सहारे फंसे रहे।

सूचना मिलते ही एसडीओपी छोटेडोंगर, जिला सेनानी (नगर सेना) के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी धौड़ाई के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद टीम ने सूझबूझ से गोपी राम को सुरक्षित निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद उन्हें तुरंत धौड़ाई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य की जांच की और भोजन उपलब्ध कराया।

28 सितंबर से तीन दिन बैंक बंद, पांच दिवसीय बैंकिंग की मांग पर कर्मचारी अड़े

धमतरी(आरएनएस)। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर बैंक कर्मचारी सोमवार से तीन दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर 28 से 30 सितंबर तक देशव्यापी हड़ताल प्रस्तावित है। इसके चलते सरकारी बैंकों की शाखाओं में नियमित कामकाज प्रभावित रहेगा।हड़ताल को देखते हुए केंद्र सरकार ने रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को ग्राहकों की सुविधा के लिए खोलने का निर्णय लिया। धमतरी में भी रविवार को सरकारी बैंक खुले रहे।बैंक कर्मचारी शत्रुघ्न कुमार धीवर, रोशन राठी, विशाल रंजन झा, पूजा सिंह, सीमा कुजूर एवं आशीष ने बताया कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। उनका कहना है कि मार्च 2024 में हुए समझौते के तहत सभी शनिवारों को अवकाश देने पर सहमति बनी थी। इसके बदले सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करने का प्रस्ताव है, लेकिन अब तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। कर्मचारियों ने बताया कि महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को पहले से ही बैंकों में अवकाश रहता है।

शेष शनिवारों को अवकाश देने से पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू होगी। इसके साथ ही प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना वापस लेने, यूनियनों के साथ द्विपक्षीय वार्ता से योजना में संशोधन और लंबित मुद्दों के निराकरण की भी मांग की जा रही है। 28, 29 और 30 सितंबर को हड़ताल के कारण सरकारी बैंकों में शाखा स्तर के कई काम प्रभावित होने की संभावना है। एटीएम, यूपीआई, इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग जैसी डिजिटल सेवाएं जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि चेक क्लियरिंग और शाखा से जुड़े लेन-देन पर असर पड़ सकता है। बैंकों ने ग्राहकों को जरूरी काम पहले ही निपटाने की सलाह दी थी। यूनियनों ने मांगों पर निर्णय नहीं होने की स्थिति में 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने की चेतावनी भी दी है। इससे पहले 11 सितंबर को एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल की जा चुकी है।

मेहनत की छांव में पल रहे सपनों को मिली नई उड़ान, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना बनी विवेक की उम्मीद

मोहला,(आरएनएस)। जिले के मानपुर विकासखंड के छोटे से गांव कुम्हारी में रहने वाली निर्माण श्रमिक श्रीमती केशर कोमा का जीवन संघर्ष और मेहनत की मिसाल है। ईंट-पत्थरों के बीच दिनभर मेहनत कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाली केशर कोमा के मन में हमेशा से एक सपना रहा कि उनका बेटा विवेक पढ़-लिखकर अपने जीवन में आगे बढ़े और सम्मानजनक भविष्य बनाए।सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे की पढ़ाई को कभी रुकने नहीं दिया। ऐसे समय में शासन की मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना उनके परिवार के लिए उम्मीद की एक नई किरण बनकर सामने आई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से श्रमिक परिवारों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंचाने के प्रयासों के तहत विवेक को इस योजना का लाभ मिला। छात्रवृत्ति की सहायता से उसकी पढ़ाई को आर्थिक संबल मिला और शिक्षा के सपनों को आगे बढ़ाने का रास्ता और आसान हुआ। मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पात्र निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 1 से स्नातकोत्तर, पीएचडी एवं शोध कार्य तक की शिक्षा के लिए 1,000 से 10,000 रुपए तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

लगातार बारिश से शहर की सड़कें क्षतिग्रस्त, प्रमुख मार्गों पर बने गड्ढों को भरने व मरम्मत की मांग

कोरबा (आरएनएस)। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण शहर की सडकों की हालत एक बार फिर खराब होने लगी है। कुछ समय पहले ही शहर के प्रमुख मार्गों पर बने गड्ढों को भरने और सडकों की मरम्मत की दिशा में प्राथमिक स्तर पर प्रयास किए गए थे, लेकिन लगातार बारिश के चलते कई स्थानों पर सडकें दोबारा क्षतिग्रस्त हो गई हैं।ट्रांसपोर्ट नगर चैराहे से कुआंभट्ठा की ओर जाने वाले मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे उभर आए हैं। खासकर रेलवे क्रॉसिंग के आगे स्थित तिराहे के पास सडक की स्थिति अधिक खराब हो गई है। बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने के कारण वाहन चालकों को सडक की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं हो पाता, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इस मार्ग से दिनभर बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों के साथ राहगीरों का आवागमन होता है। सडक पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को गति कम करके निकलना पड़ रहा है, वहीं पैदल राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद शहर की सडकों पर फिर से उभरे गड्ढों की मरम्मत के लिए स्थायी समाधान की जरूरत है। उनका कहना है कि केवल गड्ढों को भरने के बजाय सडक की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि बारिश के दौरान सडक बार-बार खराब न हो। लोगों ने संबंधित विभाग से इस मार्ग का निरीक्षण कर जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

(रायपुर) भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ का अपने देवेंद्र नगर स्थित निवास में स्वागत किया।

55 हेक्टेयर में उन्नत अरहर की फसल, फूल आने की अवस्था में पहुंची

रायपुर, (आरएनएस)। आत्मनिर्भरता दलहन मिशन के तहत सरगुजा जिले में अरहर की उन्नत किस्मों और उत्पादन तकनीक का समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा द्वारा पांच गांवों में किसानों के खेतों पर 55 हेक्टेयर में छत्तीसगढ़ अरहर-1 और छत्तीसगढ़ अरहर-2 का प्रदर्शन कराया गया है। वर्तमान में फसल अच्छी बढ़वार और शाखाओं के विकास के साथ पूर्व-फूलावस्था एवं प्रारंभिक फूलावस्था में पहुंच गई है।

अम्बिकापुर विकासखंड के सोहगा, बरकेला, खजुरी और नानदमाली तथा उदयपुर विकासखंड के कुमडेवा में किसानों के खेतों को प्रदर्शन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक किसानों को फसल प्रबंधन, पोषण, खरपतवार नियंत्रण, नमी प्रबंधन तथा कीट एवं रोग नियंत्रण की तकनीकी जानकारी दे रहे हैं।

डबरी से बढ़ी खेती, मछली पालन से आय का नया जरिया

रायपुर, (आरएनएस)। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम बिरिमकेला निवासी मान सिंह के लिए खेत के पास बनी डबरी आजीविका का आधार बन गई है। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत निर्मित डबरी में संचित पानी से वे खेतों की सिंचाई के साथ मछली पालन भी कर रहे हैं। सिंचाई सुविधा मिलने से खेती का दायरा बढ़ा है और खीरे की बिक्री से उन्हें करीब 30 हजार रुपये की आय हुई है। मान सिंह ने डबरी के पानी से टमाटर, खीरा, गोभी और सरसों की खेती की है। अब वे मटर और गोभी की अगली फसल की तैयारी कर रहे हैं। सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने से वे मौसम के अनुसार अलग-अलग फसलें ले पा रहे हैं। उन्होंने डबरी में मछली पालन भी शुरू किया है, जिससे खेती के साथ अतिरिक्त आय का जरिया तैयार हुआ है। वर्षा जल के संचय से बनी इस परिसंपत्ति का उपयोग सिंचाई और मत्स्य पालन दोनों के लिए किया जा रहा है।

खेल समाचार

एशियन गेम्सः स्क्वैश में 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

नागोया(ए.)। भारत की 18 वर्षीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने रविवार को विमेंस सिंगल्स में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अनाहत, भारत की पहली विमेंस सिंगल्स सिल्वर मेडलिस्ट बनीं।

हालांकि, उन्हें फाइनल में मलेशिया की मौजूदा चैंपियन शिवसंगरी सुब्रमण्यम के हाथों 4-11, 4-11, 7-11 से हार का सामना करना पड़ा।इस हार के साथ अनाहत ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का पहला मौका भी चूक गईं, क्योंकि सिंगल्स इवेंट के विजेता को 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा मिलना तय था, जहां स्क्वैश पहली बार शामिल हो रहा है।नागोया किंजो फुतो एरिना में प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ी का मुकाबला मलेशिया की कहीं ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी से था। अनाहत को अपनी प्रतिद्वंद्वी के शानदार खेल का मुकाबला करने में मुश्किल हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया।इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ी ने अपने मजबूत अटैक और डिफेंस से अगले दो गेम पर भी अपना दबदबा बनाए रखा। अनाहत को कोई खास मौका नहीं मिला और वह दूसरा गेम भी 4-11 के अंतर से हार गईं, जबकि मौजूदा चैंपियन ने शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा गेम 11-7 से जीता। उल्लेखनीय है कि अनाहत ने सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 6 सतोमी वातानाबे को दो गेम से पिछड़ने के बाद हराया था, जिसके साथ वह एशियन गेम्स के विमेंस सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी थीं। इससे पहले, भारत के अभय सिंह को भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। मलेशिया के मौजूदा चैंपियन ईन यो एनजी ने शानदार खेल दिखाते हुए मेंस सिंगल्स स्क्वैश फाइनल में भारतीय खिलाड़ी को 11-9, 11-5, 11-5 से मात दी। रविवार को यह स्क्वैश में भारत का दूसरा पदक रहा। अभय, सौरव घोषाल के बाद इस इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने। हालांकि, फाइनल में हारने की वजह से अभय एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने से चूक गए।

हार्दिक पांड्या हुए नई इंजरी का शिकार, ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज

नई दिल्ली (ए.)। लंबे समय से चोट के चलते भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से होने वाली वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। हार्दिक अब नई इंजरी की चपेट में आ गए हैं।

'क्रिकबज' की खबर के अनुसार, हार्दिक का न्यूजीलैंड में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में खेल पाना भी मुश्किल नजर आ रहा है। हार्दिक को 'शिन' (पिंडली या पैर के निचले हिस्से की हड्डी में दर्द और सूजन) इंजरी हुई है। हार्दिक को खेल से दूर रहते हुए मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा है। रिहैबिलिटेशन (ठीक होने की प्रकिया) के दौरान उन्हें बार-बार चोटों का सामना करना पड़ा है। इस साल जून में उनके अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रहने के दौरान क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण वह बाहर हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए भी उनका चयन फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर था, हालांकि पहले वनडे मैच से दो हफ्ते से भी कम समय पहले हार्दिक की मैच खेलने की तैयारी एक बार फिर बुरी तरह पटरी से उतर गई है। हार्दिक ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच मार्च में अहमदाबाद में वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उनका आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल था। उन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14 में से 10 मैचों में हिस्सा लिया था, लेकिन उसके बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है।

हार्दिक को लगातार होती एक के बाद एक इंजरी ने भारतीय टीम की परेशानी भी बढ़ा दी है। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप 2027 के लिए हार्दिक को भारतीय टीम का अहम खिलाड़ी माना जा रहा है।

एशियन गेम्स - कबड्डी में गोल्ड जीतने के बाद जयदीप बोले- घर से चूरमा और लड्डू जापान साथ ले गए थे

आइची (ए.)। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शनिवार को ईरान के खिलाफ 40-34 से जीत हासिल करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खिताबी जीत के बाद जयदीप ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी जापान में भी चूरमा, लड्डू और खोया साथ लाए थे, ताकि एशियन गेम्स में अपने खिताब को बचाने पर ध्यान केंद्रित कर सकें। गोल्ड मेडल जीतने के बाद आईएएनएस से बात करते हुए, जयदीप ने कहा कि खिलाड़ी अपने अभियान और ईरान की मजबूत टीम के खिलाफ फाइनल पर पूरी तरह केंद्रित थे। जयदीप ने बताया, हम घर से चूरमा लाए थे। घर से लड्डू और खोया भी लाए थे, लेकिन यहां का खाना भी अच्छा था। हमें पराठा, रोटी वगैरह मिलती थी। भारतीय टीम ने टोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में ईरान पर कड़ी टक्कर के बाद जीत हासिल करके आइची-नागोया में अपना अजेय अभियान पूरा किया।पहले हाफ में भारत और ईरान के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और हाफ-टाइम तक भारत 17-18 से पीछे था। हाफ-टाइम के बाद भारत ने खेल की गति बढ़ाते हुए धीरे-धीरे मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। भारत को 10 मिनट शेष रहते हुए पांच अंकों की बढ़त मिल गई थी। मैच के आखिरी पलों में भारतीय टीम ने संयम बनाए रखा; सुमित, राहुल सेठपाल और बाकी डिफेंस ने ईरान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया और टीम ने 40-34 से जीत हासिल की।

जयदीप ने कहा कि टीम ईरान से मिलने वाली चुनौती के बारे में पूरी तरह से जागरूक थी और उनके पास प्रतियोगिता के अलावा किसी और चीज के बारे में सोचने का समय या मौका नहीं था।

उन्होंने कहा, हम ध्यान केंद्रित था। हम इस मैच का इंतजार कर रहे थे। ईरान एक बहुत मजबूत टीम है।

कबड्डी में भारत का दबदबा कायम, महिला टीम के बाद पुरुषों ने भी जीता गोल्ड

नागोया(आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता। फाइनल मुकाबला की शुरुआत के साथ ही भारत और ईरान के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान के स्टार डिफेंसर फजल अत्राचली बाकी डिफेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय रेडर्स पर हावी होने की कोशिश करते नजर आए। शुरुआती 8 मिनटों में स्कोर 5-5 से बराबर रहा। हालांकि, इसके बाद भारतीय टीम ने मैच में कुछ हद तक अपनी पकड़ बनाई और 10-8 की बढ़त हासिल की। इस दौरान राहुल को ग्रीन कार्ड भी दिया गया।अर्जुन देशवाल की एक के बाद एक शानदार रेड के चलते भारतीय टीम अपनी बढ़त को 12-9 करने में सफल रही। हालांकि, इसके बाद ईरान ने अपने मजबूत डिफेंस के दम पर वापसी करते हुए भारतीय टीम को ऑलआउट किया और 14-13 की बढ़त बना ली। हाफ टाइम तक ईरान अपनी इस बढ़त को 18-17 पर बरकरार रखने में सफल रहा।दूसरे हाफ में भी भारत और ईरान के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ईरान के मजबूत डिफेंस को भेदने के लिए भारत के रेडर्स को मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, भारतीय टीम ने मुकाबले में शानदार वापसी की और ईरान को बैकफुट पर ढकेलते हुए 34-27 की अहम बढ़त बना ली।भारत की ओर से डिफेंस में सुमित ने शानदार प्रदर्शन किया, तो रेड में अर्जुन देशवाल लगातार प्वाइंट्स लेकर आए। राहुल ने मैच के अंतिम पलों में शानदार टैकल किया और भारत की बढ़त को 36-29 तक पहुंचाया। मैच के आखिरी मिनटों में ईरान ने स्कोर को बराबर करने के प्रयास में कई गलतियां की, जिसका भरपूर फायदा भारतीय टीम को मिला। भारत ने अंत

में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में ईरान को 40-34 से हराते हुए लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

पिछले एशियन गेम्स में भी भारतीय पुरुष टीम ईरान को ही हराकर चैंपियन बनी थी। इससे पहले, महिला कबड्डी टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। फाइनल में देश की बेटियों ने ईरान को कड़े मुकाबले में 37-34 से शिकस्त दी।

एशियन गेम्स : ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा, थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय हो रही है

तोकाई (आरएनएस)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था।रवींद्र ने बताया, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है। थाईलैंड ने सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जहां उनका सामना मौजूदा चैंपियन भारत से हुआ। भारतीय टीम ने मुकाबले में दबदबा बनाए रखा, हाफ-टाइम तक 37-18 की बढ़त बनाई और फिर दूसरे हाफ में अपनी बढ़त को और बढ़ाते हुए 66-28 से जीत हासिल की।

जिला स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में सेंट एंस विद्यालय का जलवा

तबला वादन में देवेश्वर वर्मा ने जीता प्रथम स्थान, मालवी भैरू गीत ने जीता सबका दिल

सीहोर (निप्र)। लोक शिक्षण संचनालय, शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर में संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले भर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, लेकिन सेंट एंस विद्यालय के छात्रों ने अपनी कला से ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार लोक रंग में रंग गया। विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर अल्का के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से विद्यालय के छात्रों ने दो विधाओं में शानदार प्रस्तुति दी।

विद्यालय के कक्षा छठवीं के प्रतिभाशाली छात्र देवेश्वर वर्मा ने जूनियर वर्ग तबला वादन प्रतियोगिता में अपनी लय और ताल से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। देवेश्वर ने मंच पर उठान, पेशकार, कायदा एवं टुकड़े की ऐसी सधी हुई प्रस्तुति दी कि निर्णायक मंडल सहित सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं ने तालियों की गडग़ड़ाहट से उसका स्वागत किया। अपनी इस उत्कृष्ट प्रस्तुति के बल पर देवेश्वर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।वहीं दूसरी प्रस्तुति में अगस्त्य एवं समूह द्वारा मालवांचल का अत्यंत प्रचलित लोकगीत भैरूगीत - म्हारा पियरला री बाट भैरूजी रो ओटलो की प्रस्तुति दी गई। बच्चों की सुमधुर आवाज और लोक धुन ने पूरे सभागार को लोकमय बना दिया।

पार्वती और कुलासी नदी में किसानों का जल सत्याग्रह, थाली बजाकर जताया विरोध

सीहोर विद्युत मंडल के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर और कार्रवाई की मांग, 25 गांवों के 500 से अधिक किसान आंदोलनरत

सीहोर (निप्र)। सीहोर, शाजापुर और भोपाल जिले के किसानों का सीहोर विद्युत मंडल के खिलाफ आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। सीहोर और शाजापुर जिले के किसानों ने पार्वती नदी में जल सत्याग्रह कर थाली बजाकर विरोध जताया, वहीं भोपाल जिले के ग्राम टीलाखेड़ी सहित आसपास के किसानों ने शनीवार को कुलासी नदी में उतरकर जल सत्याग्रह किया।किसान नेता प्रहलाद हाड़ा के अनुसार, ग्राम भैंसा-नागिन में करीब पांच माह पूर्व खेत में काम कर रहे किसान की झूलती 11 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इसके अलावा ग्राम ढाबला में किसान की मौत, बरबेली में किसान के गंभीर रूप से घायल होने तथा ग्राम मोरिया में महिला किसान की विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत का मामला सामने आया है। ग्राम कुलास कला में करंट लगने से गाय की मौत होने की बात भी किसानों ने कही है।किसानों का आरोप है कि झूलती विद्युत लाइनों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। किसान सीहोर विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं श्यामपुर के सहायक यंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि लाइनमैन स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अभी तक कार्रवाई नहीं हुई। किसान एवं समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में करीब 25 गांवों के 500 से अधिक किसान पिछले दो माह से आंदोलन कर रहे हैं। किसानों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री, प्रभारी मंत्री, राज्यपाल, विद्युत मंडल के एमडी ऋषि गर्ग, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं।

बिजली बिलों में राहत की भी मांग

रविवार को किसान अनीश मियां, पूर्व सरपंच, किसान रफीक, ग्राम धोबीखेड़ी, भगवानसिंह मेवाड़ा, ग्राम बड़वेली तथा टीलाखेड़ी, देवली के पूर्व सरपंच इरफान भाई सहित किसानों ने कहा कि गांवों से खेतों तक विद्युत लाइनें झूल रही हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। किसानों ने घरेलू कनेक्शनों पर अधिक बिजली बिल आने की समस्या का निराकरण करने और बिलों में राहत देने की मांग की। किसानों ने कहा कि समय रहते विद्युत लाइनों को दुरुस्त करने, बिजली बिलों की समस्या का समाधान करने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। किसानों ने कहा कि वे अलग-अलग गांवों में धरना-प्रदर्शन जारी रखेंगे और जरूरत पडऩे पर भोपाल से दिल्ली तक आंदोलन ले जाकर जंतर-मंतर पर प्रधानमंत्री जी से न्याय की मांग करेंगे।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह की सफलता पर सांस्कृतिक मंच ने जताया आभार

सीहोर (निप्र)। नगर में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर निकाले गए भव्य चल समारोह की सफलता पर सीहोर सांस्कृतिक मंच ने अखाड़ों के उस्तादों, कलाकारों, झांकी निर्माताओं, दानदाताओं, सहयोगियों, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर पालिका का हृदय से आभार व्यक्त किया।मंच अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने कहा कि अनंत चतुर्दशी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सीहोर की प्राचीन संस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता को जीवंत रखने का पर्व है। अखाड़ों के शौर्यपूर्ण प्रदर्शन और झांकी कलाकारों की मेहनत ने समारोह को भव्यता प्रदान की।उन्होंने कहा कि हमारी परंपराएं ही हमारी पहचान हैं। ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कार और पारंपरिक उत्सवों से जोड़ने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने सभी कलाकारों एवं आयोजन से जुड़े सहयोगियों को साधुवाद देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से अनंत चतुर्दशी का समारोह यादगार बना।

सीवन पुत्र टीम उतरी सीवन की गोद में कुछ ही घंटों में हजारों की तादाद में पीओपी की प्रतिमाओं के साथ पूजन सामग्री निकाल दी

गणेश विसर्जन के बाद हनुमान फाटक धाम सीहोर पर लोगों को दिलवाई सीवन स्वच्छता का प्रण

सीहोर (निप्र)। सीवन घाट पर गणेश विसर्जन पर लोगों ने गणेश जी की प्रतिमाएं विसर्जित की और उनके साथ पूजन सामग्री कुछ ने तो सीवन पुत्र टीम द्वारा रखे गए पात्र में डाली किन्तु कुछ ने आस्था के नाम पर सामग्री को नदी ने डाल दी जिससे नदी का स्वरूप बदला,नदी अस्वच्छ लगने लगी।

इसे देखते हुए सीवन टीम आज सीवन की गोद में उतर गई और देखते ही देखते हज़ारो की तादाद में पीओपी की प्रतिमाएं साथ ही पूजन सामग्री का सामान व कचरा नदी से बाहर निकाल दिया गया जिससे फिर से नदी साफ़ एवं सुथरी दिखने लगी । सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सीवन पुत्र टीम पूरी तरह से नदियों की स्वच्छ ता के लिए समर्पित है ।

इस अभियान में आज प्रमुख रूप से राजकुमार सोनी (भूरा),हरिकक्का ठेकेदार,श्याम लाल नाविक,सचिन प्रजापत,कमल नाविक, प्रदीप चावड़ा, लक्ष्मण सिंह चौकसे राहुल ठाकुर,सुरेश भगत,अशोक नामदेव,सचिन मालवीय,दीपक जामोलिया, छोटा सीवन पुत्र की टीम उपस्थित रही ।

30 सितंबर को होगी जिला स्तरीय प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता

सीहोर (निप्र)। युवा पीढ़ी को भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से जोडऩे के उद्देश्य से म.प्र. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, हिन्दी भवन श्यामला हिल्स भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित प्रतिभा प्रोत्साहन प्रतियोगिता इस वर्ष 30 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का आयोजन पी.एम.श्री शासकीय एम.एल.बी. कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, सीहोर के सभागार में होगा।कक्षा 9वीं से 12वीं तक के चयनित विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसमें काव्यपाठ, भाषण, एकल लोकगीत गायन एवं चित्रांकन से शब्दांकन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। चारों प्रतियोगिताओं में अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार 500 रुपये, द्वितीय 400 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 300 रुपये नगद के साथ प्रमाण-पत्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किए जाएंगे।

कांग्रेस सेवादल ने किया झण्डावन्दन

सीहोर (निप्र)। कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्दगश पर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष नरेन्द्र खंगराले जाटव दलित चिंतक द्वारा संगठन के प्रोटोकॉल के अनुसार हर महिने के अंतिम रविवार को सीहोर की विधानसभा इछावर के ग्राम लसुडिया परिहार के सार्वजनिक स्थल डॉ.अम्बेडर पार्क में

डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए प्रतिमा के समक्ष ध्वज वन्दन (झण्डवन्दन) कार्यक्रम आयोजित सेवादल की परम्परा अनुसार ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविन्द्र सिंह परिहार के द्वारा किया गया। उपस्थित सभी कांग्रेसजनों एक स्वर में वन्दे मारतम राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का गायन किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों की सार्वजनिक स्थल पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस सेवादल संगठन को ग्राम व पंचायत स्तर तथा नगर पालिका के वार्ड स्तर, लोकसभा विधानसभा क्षे में मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया गया तथा मुख्य एजेण्डा जमीनी स्तर पर भी मजबूत करने और पार्टी की एकजुटता सुनिश्चित करना भी था। इसमें युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोडक़र पार्टी को आगे बड़ाने पर बल दिया गया तथा ग्राम लसुडिया परिहार की भी प्रमुख समस्याओं को शासन स्तर पर निराकरण कराने का भी सेवादल कांग्रेस द्वारा प्रस्ताव पास किया गया।

सात दिवसीय संकल्प पीढ़ी संवाद में आज होगा साथ खेलें, साथ सीखें कार्यक्रम

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा संकल्प वृद्धाश्रम के तत्वावधान में सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प वृद्धाश्रम में चल रहे सात दिवसीय संकल्प पीढ़ी संवाद-अनुभव से भविष्य की ओर' कार्यक्रम में शनिवार को आध्यात्मिक चिंतन और संस्कारों पर संवाद हुआ। कार्यक्रम में संत 108 पं. दुर्गा प्रसाद कटारे बाबा ने कहा कि संत ज्ञान का भंडार होते हैं। संत ही साधक के जीवन में प्रकाश और ऊर्जा का संचार करते हैं। भगवान का ज्ञान कराने वाले माता-पिता और गुरु होते हैं। उन्होंने कहा कि मानव का शरीर अमूल्य है, इसे नशे जैसी बुराइयों में नष्ट नहीं करना चाहिए। जो मनुष्य संस्कारों के मार्ग पर चलता है, उस पर भगवान की कृपा बनी रहती है। संस्कार ही व्यक्ति के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं और उसे समाज एवं परिवार के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराते हैं। संत पं. दुर्गा प्रसाद कटारे ने कहा कि भगवान शिव का वर्णन शब्दों में करना संभव नहीं है। वे एक ओर भोलेनाथ के रूप में पूजे जाते हैं तो दूसरी ओर महाकाल के स्वरूप में आराध्य हैं। सदाशिव सदैव साधकों के बीच प्रिय रहे हैं। उन्होंने संत की व्याख्या करते हुए कहा कि जो मन की सीमाओं के पार है, वही संत है। संत का अर्थ परम संतुलन है और स्वयं को संतुलित रखना भी अपने आप में एक विशेष तप है। किसी संत को उसकी वेशभूषा से नहीं परखना चाहिए।

चर्च मैदान पर बेबी लीग फुटबाल प्रतियोगिता

रोमांचक मुकाबले में सीहोर ग्रीन ने सीहोर बाइज को 2-1 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर खेली जा रही बेबी लीग फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार की शाम को रोमांचक मैच में सीहोर ग्रीन ने सीहोर बाइज को 2-1 से हराया। इस मैच में सीहोर ग्रीन की ओर से राज ने लगातार 2 गोल किए। मैच के अंत में एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।जिला फुटबाल एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि रविवार की शाम को सीहोर ग्रीन और सीहोर बाइज के मध्य रोमांचक मैच खेला गया था। इस मैच में सीहोर बाइज की टीम की ओर से वरुण ने 1 गोल किया था, सीहोर ग्रीन की टीम की ओर से अंतिम समय में राज ने लगातार 2 गोल कर अपनी टीम को 2-1 से विजय श्री दिलाई।

कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण पितृ दोष से मुक्ति का अटूट साधन : भागवत भूषण पंडित अरविंद व्यास

सीहोर (निप्र)। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर शहर के बस स्टैंड स्थित गीता मानस भवन में रविवार से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा के प्रथम दिवस भागवत भूषण पंडित अरविंद व्यास ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व और पितृ पक्ष में इसके श्रवण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण और पाठन पितृ दोष से मुक्ति तथा पितरों की शांति और मोक्ष का महत्वपूर्ण साधन माना गया है।

उन्होंने कहा कि परिवार की सुख-समृद्धि और पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत का श्रवण, पठन और पाठन विशेष फलदायी माना गया है। संतों और वेदाचार्यों ने भी इसके महत्व को स्वीकार किया है। कथा श्रवण से मनुष्य के जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और वह भगवान की भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ता है।पंडित श्री व्यास ने बताया कि यह कथा यजमान केएन आचार्य, ईश्वर जोशी एवं देवेंद्र जोशी के परिवार द्वारा आयोजित की जा रही है। गीता मानस भवन में भगवान श्रीकृष्ण विराजमान हैं और मंदिर की दिव्यता एवं भव्यता के कारण यहां आयोजित होने वाली कथा के प्रति श्रद्धालुओं में विशेष आस्था है। कथा के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे और भक्ति में लीन नजर आए।कथा के दौरान भागवत भूषण पं. अरविंद व्यास ने श्रीमद्भागवत महापुराण की उत्पत्ति और इसके आध्यात्मिक महत्व का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि ऋषियों ने ब्रह्माजी से ऐसी पवित्र जगह के बारे में पूछा था, जो कलियुग के प्रभावों से मुक्त हो। तब ब्रह्माजी ने अपना मनोमय चक्र छोड़ा और जहां वह चक्र जाकर रुका, उस स्थान को चक्रतीर्थ कहा गया। चक्र की नेमि से जुड़े होने के कारण यह क्षेत्र नैमिषारण्य कहलाया। उन्होंने बताया कि व्यासजी के शिष्य सूतजी महाराज ने इसी पवित्र भूमि पर शौनक आदि 88 हजार ऋषियों को सर्वप्रथम श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा सुनाई थी।

भागवत कथा मनुष्य को मोक्ष का मार्ग दिखाने वाली है और इसके श्रवण से मनुष्य को आध्यात्मिक शांति एवं सद्मार्ग की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने पितृ दोष एवं पितृ लोक से संबंधित विभिन्न धार्मिक ग्रंथों का उल्लेख करते हुए कहा कि मार्कण्डेय पुराण, गरुड़ पुराण सहित अनेक ग्रंथों में पितरों और पितृ कर्म के महत्व का वर्णन मिलता है। उन्होंने रुचि प्रजापति के प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि ब्रह्मा के निर्देश पर उन्होंने श्रद्धापूर्वक पितरों की स्तुति की, जिसके फलस्वरूप उन्हें सुखद पारिवारिक जीवन और पुत्र की प्राप्ति हुई।यजमान केएन आचार्य, ईश्वर जोशी एवं देवेंद्र जोशी के परिवार ने बताया कि कथा के दूसरे दिन सोमवार को भगवान शिव चरित्र एवं राजा परीक्षित के जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। सात दिवसीय कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक गीता मानस भवन में किया जा रहा है।

बालिकाओं की अचानक बढ़ी संख्या,गरबा प्रैक्टिस हॉल पड़ गया बहुत छोटा

वॉटरप्रूफ डोम लगवाकर दिलाएंगे सभी बालिकाओं को गरबा प्रशिक्षण - विधायक राय

गरबा प्रशिक्षण लेने माता बहने सभी आ सकती है शक्ति की भक्ति करने से हम मातृशक्तियों को कोई रोक नहीं सकता - श्रीमती राय

सीहोर (निप्र)। आवासीय खेलकूद मैदान में बना हॉल रविवार को छोटा पड़ गया। क्रिसेंट गरबा महोत्सव प्रशिक्षण में अचानक बालिकाओं की संख्या दो हजार को भी पार कर गई। अरुणा सुदेश राय प्रतिभा निखार मंच के द्वारा आयोजित महा गरबा प्रशिक्षण ने कंपटीशन शुरू होने से पहले ही इतिहास रच दिया । सैकड़ो बालिकाओं ने रविवार को बमुश्किल प्रैक्टिस की यही नहीं ट्रेनरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। समाजसेविका श्रीमती अरुणा राय ने विकट स्थिति को संभाला। आखिरकार विधायक सुदेश राय ने प्रैक्टिस हाल को बदलने के निर्देश दिए।बालिकाओं की बढ़ती संख्या माता बहनों के स्नेह प्रेम को ध्यान में रखते हुए विधायक सुदेश राय ने गरबा प्रशिक्षण के लिए आवासीय खेलकूद मैदान में वॉटरप्रूफ डोम और टेंट लगवाने केनिर्णय लिया। रविवार को माता रानी जगदंबा की विधिवत पूजा अर्चना कर समाज सेविका श्रीमती अरुणा राय विधायक सुदेश राय ने गरबा प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। श्रीमती राय ने कह कि माता दुर्गा शक्ति की भक्ति नृत्य के माध्यम से अनादि काल से चली आ रही है। गरबा प्रशिक्षण में सभी माता बहने और बालिकाएं सादर आमंत्रित हैं। माता रानी की भक्ति से हमें कोई नहीं रोक सकता है।

पारिवारिक वातावरण में क्रिसेंट गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। माता के भक्ति गीतों पर बालिकाओं के द्वारा प्रस्तुती दी जाएगी। करवा महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरस्कार के रूप में बाइक लैपटॉप मोबाइल सहित अन्य उपहार प्रदान किए जाएंगे

कार्यालय कार्यपालन यंत्री,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03)
भोपाल (म0 प्र0) 462003

नि.आं.सू.क्रं 06/एन.एच.एम./2026-27/800 भोपाल दिनांक 24/09/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-भोपाल की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से (www.mptenders.gov.in) (Department of Directorate of Health Services) दो लिफाफा से प्रपत्र अ फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर. 01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :

ई-निविदा सूचना क्रमांक-06/2026-27 दिनांक 22.09.2026

सं. क्रं.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि रू.	टेण्डर दर राशि रू.	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1	537644	जिला चिकित्सालय सीहोर, जिला नर्मदापुरम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखतबा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिवनी मालवा के एन.आर.सी. भवन में मरम्मत	10.88	21760.00	2000.00	02 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 28.09.2026 प्रात: 10.30 से दिनांक 12.10.2026 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in)पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा।

जी/19170/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
संभाग-भोपाल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com